शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 257 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीमा शुल्क के मसले पर नेपाल के संपर्क में है भारत पेज 2
नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन न करने दलों के खिलाफ भाजपा महिला... पेज 3
नीतीश जी की जनहित और विकास नीतियां मजबूती से जारी है : विजय कुमार चौधरी पेज 5
जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस अय्यर पेज 7

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान

स्वतंत्रता के बाद सबसे अधिक भागीदारी

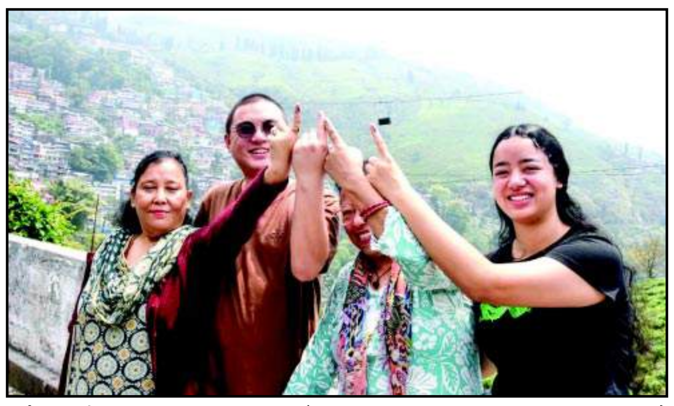

नई दिल्ली (हि.स.)। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। तमिलनाडु में 84.69 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 91.78 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों राज्यों में स्वतंत्रता के बाद यह अब तक का सबसे अधिक मतदान है। इसके अलावा आज गुजरात और महाराष्ट्र की रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए भी मतदान संपन्न हुआ। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (प्रथम चरण) में ऐतिहासिक मतदान दर्ज किया गया है। इससे पहले तमिलनाडु में वर्ष 2011 में 78.29 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत मतदान हुआ था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रिकार्ड मतदान के लिए चुनाव आयोग दोनों राज्यों के हर मतदाता को सलाम करता है। दोनों राज्यों में मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडु में पुरुष मतदान 83.57 प्रतिशत, महिला मतदान 85.76 प्रतिशत और तृतीय लिंग का मतदान 60.49 प्रतिशत रहा। पश्चिम बंगाल में पुरुष मतदान 90.92 प्रतिशत, महिला मतदान 92.69 प्रतिशत और तृतीय लिंग का मतदान 56.79 प्रतिशत दर्ज किया गया। उपचुनाव के तहत गुजरात के उमरेठ सीट पर 59.03 प्रतिशत मतदान हुआ। महाराष्ट्र की बारामती सीट पर 57.48 प्रतिशत और राहुरी सीट पर 55.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आयोग के अनुसार अंतिम आंकड़े आने अभी बाकी हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त एस.एस. संधु और विवेक जोशी ने मतदान प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखी। दोनों राज्यों के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। आयोग का कहना है कि हाल के वर्षों में निर्वाचन आयोग ने मतदाता भागीदारी बढ़ाने और चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। इसके अलावा मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए एसआईआर की प्रक्रिया भी पूरी की गई है।

54 अफ्रीकन देशों के नेता मोदी के साथ मंथन करने दिल्ली आएंगे

जयशंकर बोले- हम वैश्विक शासन को दिशा देंगे

नई दिल्ली। दुनिया एक ओर संघर्षों में उलझी हुई है लेकिन भारत वैश्विक चुनौतियों और विकासशील देशों की चिंताओं का समाधान निकालने की दिशा में बड़ी पहल करने जा रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली में अफ्रीकी देशों के शीर्ष नेता जुटने वाले हैं, जहां चौथा भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन 28 मई से 31 मई 2026 तक आयोजित होगा। इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, अफ्रीकी संघ आयोग और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत और अफ्रीका के बीच बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करना तथा भविष्य के सहयोग के लिए एक स्पष्ट और ठोस रूपरेखा तैयार करना है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आज नई दिल्ली में इस सम्मेलन का प्रतीक चिन्ह, विषय और वेबसाइट का अनावरण किया। इस बार सम्मेलन का विषय है *भारत अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी नवाचार लचीलापन और समावेशी परिवर्तन,* जो इस रिश्ते की व्यापकता और गहराई को दर्शाता है। हम आपको यह भी बता दें कि सम्मेलन से पहले 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिनमें दोनों पक्षों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा होगी। भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मंच है, जो आपसी संवाद को मजबूत करने और परस्पर लाभकारी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। यह साझेदारी समानता, परस्पर सम्मान, एकजुटता और साझा समृद्धि के सिद्धांतों पर आधारित है। पिछले सम्मेलनों के परिणामस्वरूप अफ्रीका में भारत की विकास सहायता और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिसने दोनों पक्षों के संबंधों को और सुदृढ़ किया है। रणनीतिक दृष्टि से यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व जटिल भू राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

अगले दो हफ्तों में असम में अत्यधिक बारिश होने की संभावना : मौसम विभाग

गुवाहाटी। 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक के सप्ताह के दौरान, पूर्वोत्तर असम के अधिकांश हिस्सों और पश्चिमी असम के कुछ हिस्सों में संचयी वर्षा की गतिविधि निर्धारित सीमा से अधिक रहने की उम्मीद है, जबकि मध्य असम और दक्षिणी असम के कुछ हिस्सों में भारी मात्रा में अतिरिक्त वर्षा होने की संभावना है। आगामी सप्ताह के दौरान, 1 मई से 7 मई तक, वर्षा की गतिविधि सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, जिससे मध्य, पश्चिमी और उत्तरपूर्वी असम के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। विशेष रूप से दक्षिण असम में इस अवधि के दौरान अत्यधिक वर्षा होने की -शेष पृष्ठ दो पर

रिनिकी भुइयां के खिलाफ पवन खेड़ा का दिखाया गया पासपोर्ट फर्जी हैं : विदेश मंत्रालय के सूत्र

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) के सूत्रों ने गुरुवार (23 अप्रैल) को बताया कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों में उद्धृत पासपोर्ट दस्तावेज फर्जी हैं। सूत्रों के अनुसार, खेरा द्वारा प्रस्तुत तीनों पासपोर्ट फर्जी पाए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रिनिकी भुइयां शर्मा के पास किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं है। कांग्रेस नेता ने 5 अप्रैल को एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशी संपत्तियां हैं, जिनका खुलासा मुख्यमंत्री के 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के लिए दिए गए चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया था। शर्मा परिवार ने इन दावों को झूठा और मनगढ़ंत बताया। आरोपों के बाद, गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में खेरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ईर्ष्या तथा अंहकार को दूर कर दो, संगठित होकर दूसरों के लिए कार्य करना सीखो।
– **स्वामी विवेकानंद**

बंगाल में बंपर मतदान पर ममता बनर्जी ने कहा –

अधिकार बचाने की लड़ाई में लोग घरों से निकले

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में शाम पांच बजे तक लगभग 90 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे जनता के अधिकारों की लड़ाई से जोड़ते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी मतदान इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग अपने अधिकार, पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। चौरंगी क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी नयना बंद्योपाध्याय के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि जनता समझ चुकी है कि यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि अधिकार बचाने की लड़ाई है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, जिनमें से लाखों नाम कानूनी लड़ाई के बाद फिर से जुड़वाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग जानते -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल : पहले चरण के मतदान में जमकर हुई हिंसा, निष्पक्ष मतदान पर उठे सवाल

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। कई संवेदनशील इलाकों में हिंसा, बूथों पर तनाव, ईवीएम में खराबी और सुरक्षा बलों के खिलाफ शिकायतों को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष मतदान पर सवाल उठाए हैं, जबकि सत्तारूढ़ दल ने आरोपों को राजनीतिक बताया है। सबसे गंभीर घटनां दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज विधानसभा क्षेत्र का मामला शामिल रहा। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर मारपीट की। बताया कि वह मतदान केंद्रों का दौरा कर रहे थे, तभी कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें भीड़ उन्हें घेरकर हमला करती दिखाई दे रही है। इस दौरान उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करता नजर आया। शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि उनके मतदान एजेंटों को कई बूथों से बाहर निकाला गया था और जब वह बूथ संख्या 24 पहुंचे, तभी उन पर हमला हुआ। बीरभूम जिले के लाभपुर विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का परिणाम 28 को

गुवाहाटी (हि.स.)। उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष परीक्षा परिणाम की घोषणा को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आज अपने सोशल मीडिया के माध्यम से परिणाम घोषित करने की तिथि की घोषणा की। घोषणा के अनुसार, उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष परीक्षा का परिणाम 28 -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं मुकुल सांग्मा

शिलांग। मेघालय की राजनीति में इन दिनों काफी हलचल देखी जा रही है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष मुकुल सांग्मा से एक बार फिर संपर्क साधने की पहल की है। पार्टी के वरिष्ठ विधायक ए.एल. हेक ने गुरुवार को कहा कि वे सांग्मा को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का न्योता देंगे। भाजपा विधायक ए.एल. हेक ने बताया कि पार्टी मेघालय में अपना जनाधार बढ़ाना चाहती है। इसके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव के बाद देखेंगे कितने बड़े गुंडे हैं

भाजपा उम्मीदवार के साथ मारपीट पर बोले सुकांत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। वहीं, हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु सरकार के साथ कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों ने मारपीट की। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि चुनाव के बाद देखते हैं कि कौन कितना बड़ा गुंडा है। सुकांत मजूमदार ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया है कि तृणमूल के कुछ गुंडों ने भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप का अपनी नौसेना को सख्त आदेश–

होर्मुज में माइन बिछाने वाली बोट देखते ही उड़ा दो

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी नौसेना को सख्त आदेश दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अगर कोई नाव समुद्र में बारूदी सुरंग (माइन) बिछाते हुए दिखे, तो उसे तुरंत गोली मारकर नष्ट कर दिया जाए। यह आदेश ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव काफी बढ़ चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य इस टकराव का केंद्र बना हुआ है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पहले से ही होर्मुज में माइन हटाने का काम कर रहा है और अब इसे तीन गुना बढ़ाने का आदेश दिया गया है। यह कदम समुद्री रास्ते को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। इस बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। होर्मुज से गुजरने -शेष पृष्ठ दो पर

अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस लेगी हिरासत में

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद अमृतपाल सिंह को आज पंजाब पुलिस अपनी हिरासत में लेगी। वह *वारिस पंजाब दे* संगठन के प्रमुख हैं और कड़ी सुरक्षा के बीच यहां रखा गया है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत समाप्त होने के बाद वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह कोपंजाब के अजनाला थाना पर हुए हमले के मामले में पुन: गिरफ्तार किया जाएगा। इस मामले में उनकी भूमिका को लेकर पंजाब पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि, खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

होर्मुज जलडमरूमध्य से एलपीजी का आयात प्रभावित, देश में हालात सामान्य : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले तेल और एलपीजी का आयात प्रभावित हुआ है लेकिन भारत सरकार का प्रयास है कि देश के लोगों को न्यूनतम परेशानी का सामना करना पड़े। देश में ऊर्जा आपूर्ति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मंत्रालय समन्वित प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है, विदेश मंत्रालय ने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और पोर्ट्स एवं शिपिंग मंत्रालय ने कहा कि सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में रोजाना पत्रकार वार्ता में गुरुवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और एलपीजी आयात प्रभावित है लेकिन भारत सरकार का प्रयास है कि आम लोगों को न्यूनतम परेशानी हो। उनके मुताबिक बुधवार को 52 लाख से अधिक घरों को एलपीजी की सप्लाई की गई है। सिलेंडरों की बुकिंग अब 44-45 लाख रोजाना हो रही है। उन्होंने बताया कि 94 प्रतिशत सिलेंडरों की डिलीवरी -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया पर मंडरा रहा इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट यूरोप में स्थिति बेहद गंभीर : आईईए की चेतावनी

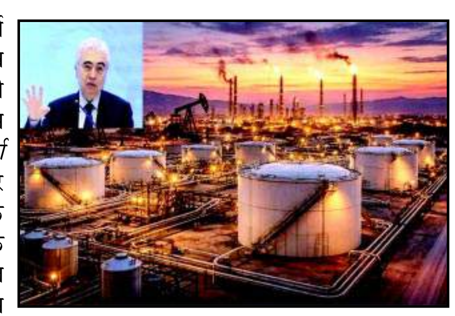

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने चेतावनी दी है कि दुनिया इस समय *इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा सुरक्षा संकट* का सामना कर रही है। उन्होंने बताया कि वैश्विक बाजार से अब तक करीब 13 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल की सप्लाई कम हो चुकी है। इसका मुख्य कारण आरजेईवी से जुड़ा संघर्ष और होर्मुज का बंद होना है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से रोजाना लगभग 20 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद गुजरते थे। लेकिन अब यहां *डबल नाकेबंदी* जैसी स्थिति बन गई है, जहां न तो ईरान और न ही यूनाइटेड स्टेट्स जहाजों को आसानी से गुजरने दे रहे हैं। इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। आईईए के अनुसार महंगाई बढ़ सकती है, आर्थिक विकास धीमा पड़ सकता है, कई देशों में ऊर्जा की कमी हो सकती है। यूरोप में स्थिति और गंभीर है। वहां जेट फ्यूल की भारी कमी हो गई है, क्योंकि पहले करीब 75 प्रतिशत सप्लाई मध्य-पूर्व से आती थी, जो अब -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

सीमा शुल्क के मसले पर नेपाल के संपर्क में है भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने नेपाल की ओर से सीमा शुल्क लगाने और फिर इसे आंशिक रूप से हटाए जाने पर कहा कि उसकी पूरी स्थिति पर नजर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर नेपाल से साथ लगातार संपर्क में है। वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत को नेपाल में पहले से मौजूद प्रावधान के तहत 100 नेपाली रुपए से अधिक मूल्य के सामान पर सीमा शुल्क लागू किए जाने की जानकारी है। हम समझते हैं कि नेपाल सरकार ने यह कदम मुख्य रूप से अनौपचारिक व्यापार और तस्करी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया है। जायसवाल ने नेपाल के एक वरिष्ठ अधिकारी के बयान का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए घरेलू सामान ले जाने वाले नागरिकों को रोका नहीं जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर संपर्क में बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत और नेपाल के बीच करीब 1,751 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से लगती है। दोनों देशों के बीच दशकों से लोगों और वस्तुओं का सहज आवागमन रहा है। नई सरकार बनने के बाद अब सीमा क्षेत्रों में दैनिक जरूरतों और इलेक्ट्रानिक्स सामान की भारत में आकर हो रही खरीदारी पर सीमा शूल्क लगाया जा रहा है। इससे नेपाली लोगों में रोष है। वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। बांग्लादेश के चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स में भारतीय आयुध कारखानों के बने गोला-बारूद की कथित मौजूदगी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर प्रवक्ता ने कहा कि अपुष्ट खबरों पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुध कारखाने कड़े नियमों और जवाबदेही मानकों के तहत संचालित होते हैं।

ट्रम्प की टिप्पणियों पर भारत में रोषपूर्ण प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों पर घरेलू राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है तथा मोदी सरकार से आग्रह किया गया है कि वे अमेरिकी प्रशासन को देश की रोषपूर्ण जनभावनों से अवगत कराएं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वहां आने वाले प्रवासियों तथा जन्म के आधार पर नागरिकता दिए जाने के बारे में अपने बयान में भारत और चीन आदि देशों को *नरक* की संज्ञा दी थी। उन्होंने इन देशों के प्रशिक्षित आईटी प्रोफेशनल को *लैपटॉप से लैस गैंगस्टर* की संज्ञा दी थी। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणियों को प्राय: नजरअंदाज करते हुए कहा कि हमने इन टिप्पणियों को देखा है। इससे अधिक हम कुछ नहीं कहना चाहते। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी को उचित ठहराया। साथ ही, उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार को किसी न किसी माध्यम से भारत की जनता की रोषपूर्ण भावनाओं से अवगत कराया जाना चाहिए। राजनीतिक मोर्चों पर कांग्रेस ने राष्ट्रपति ट्रम्प की इस टिप्पणी पर मोदी सरकार से जवाब तलब किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि *आपके मित्र* राष्ट्रपति ट्रम्प भारत पर अपमानजनक बातें कह रहे हैं और आप चुप हैं। यहां तक की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता भी इसपर टाल-मटोल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सफलता में भारतीयों ने अहम भूमिका निभाई है। अमेरिकी सरकार के उच्च स्तर पर इस मुद्दे को उठाने में हमें क्या बाधा आ रही है ? ट्रम्प की टिप्पणी से बिगड़े महौल को संभालने के लिए बाद में नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता क्रिस्टोफर एल्म्स ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को महान देश मानते हैं और प्रधानमंत्री उनके अच्छे मित्र हैं।

नलबाड़ी जिला कारागार के कैदी की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। नलबाड़ी जिला कारागार में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है, जहां एक कैदी ने कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैदी ने ब्लेड का उपयोग कर स्वयं को घायल कर लिया। गंभीर अवस्था में उसे तत्काल नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (एनएमसीएच) में भर्ती कराया गया। हालांकि, उपचार के दौरान कैदी की मौत हो गई। मृतक कैदी की पहचान अब तक सार्वजनिक नहीं हो पाई है। घटना के संबंध में विस्तृत जांच जारी है। उधर राजधानी की वशिष्ठ पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर दो शातिर छिनैती चोरों रहमत अली और राजीव कलिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि दोनों आरोपी क्षेत्र में मोबाइल छिनैती की कई घटनाओं में संलिप्त थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाया और दोनों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। अभियान के दौरान आरोपियों के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों के साथ की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने गुरुवार को राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं एवं योजनाओं पर समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई प्रगति बैठक में स्वास्थ्य सचिव ने प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने और टीबी मुक्त भारत तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों पर प्रगति में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन(पीएम-अभिम) के तहत स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना, चिकित्सा एवं नर्सिंग शिक्षा क्षमता का विस्तार करने पर जोर दिया। इसके साथ आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन(एबीडीएम) और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) योजनाओं में चल रही प्रगति की भी समीक्षा की। यह दोनों योजनाएं देश में डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों को उन्नत बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा अनुपालन सुनिश्चित करती है।

ऑपरेशन *मिलाप* में गोरखपुर पुलिस की बड़ी सफलता 313 लड़कियों की सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

गोरखपुर (हिंस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ के निर्देशन में गोरखपुर पुलिस की ओर से चलाया जा रहा *ऑपरेशन मिलाप* मानवीय संवेदनाओं का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। इस अभियान के तहत वर्ष 2026 में अब तक 313 अपहृत/लापता लड़कियों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया गया है, जिससे सैकड़ों परिवारों में फिर से खुशियां लौट आई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इन मामलों में अधिकांश लड़कियों को बहला-फुसलाकर या झांसा देकर घर से दूर ले जाया गया था। कई मामलों में उन्हें अन्य जनपदों या राज्यों तक पहुंचा दिया गया था। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए गोरखपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीमों का गठन किया और खोजबीन अभियान शुरू किया। ऑपरेशन मिलाप के तहत पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र का सहारा लेकर लापता लड़कियों का पता लगाया। टीमों ने लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी और कई जटिल मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा किया। एसएसपी डॉ. कोस्तुभ ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अपहरण एवं गुमशुदगी के मामलों में तत्काल मुकदमा दर्ज कर तेजी से कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवारों से नियमित संवाद बनाए रखते हुए उन्हें प्रगति की जानकारी दी जाए। पुलिस की तत्परता और सक्रियता का ही परिणाम है कि बड़ी संख्या में लड़कियों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा गया। कई मामलों में परिजनों ने अपनी बेटियों के सुरक्षित वापस मिलने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस अभियान के तहत न केवल अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई, बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल भी मजबूत हुआ

राजस्थान के सात भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 27 अप्रैल, सोमवार को राजस्थान के दौरे पर रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार राजस्थान आ रहे नितिन नवीन प्रदेश के सात नए जिला कार्यालयों का उद्घाटन तथा जालोर भाजपा कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन टोंक जाएंगे, जहां वे टोंक भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही अन्य जिला कार्यालयों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन भी किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक भी आयोजित की गई।

पृष्ठ एक का शेष

54 अफ्रीकन देशों ...

इस संदर्भ में अफ्रीका का महत्व लगातार बढ़ रहा है और भारत ने भी अपनी विदेश नीति में अफ्रीका को केंद्रीय स्थान दिया है। भारत ने अफ्रीका में अपने राजनयिक संबंधों का विस्तार किया है और आज वह अफ्रीका के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों तथा निवेशकों में शामिल है। यह दर्शाता है कि भारत का अफ्रीका के साथ जुड़ाव दीर्घकालिक और स्थायी है। इस साझेदारी की जड़ें ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों में निहित हैं। सदियों से सांस्कृतिक आदान प्रदान और मानवीय संपर्कों ने इस रिश्ते को मजबूत किया है। इसके अतिरिक्त उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष के दौरान भारत ने अफ्रीकी देशों के साथ एकजुटता दिखाई, जिससे यह संबंध और गहरा हुआ। दोनों क्षेत्रों का साझा इतिहास संघर्ष, आत्मबल और विकास की आकांक्षाओं से जुड़ा रहा है, जो आज भी इस साझेदारी को दिशा देता है। सामरिक महत्व के दृष्टिकोण से यह सम्मेलन कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। एक तो यह ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने का माध्यम है। भारत ने लगातार अफ्रीका को वैश्विक शासन व्यवस्था में उचित स्थान दिलाने का समर्थन किया है। वर्ष 2023 में जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिससे वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अफ्रीका की भागीदारी सुनिश्चित हुई। इसके अलावा, यह सम्मेलन आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को नई गति देगा। ऊर्जा, आधारभूत संरचना, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को और विस्तार मिलने की संभावना है। भारत की तकनीकी क्षमता और अफ्रीका की संसाधन संपन्नता मिलकर दोनों के लिए विकास के नए अवसर पैदा कर सकती है। साथ ही यह सम्मेलन सुरक्षा और स्थिरता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर समन्वय दोनों पक्षों के लिए आवश्यक है। इस मंच के माध्यम से इन विषयों पर साझा रणनीति विकसित की जा सकती है। इसके अलावा, यह सम्मेलन भारत के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य और अफ्रीका के एजेंडा 2063 के बीच सामंजस्य स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। दोनों ही पहल सतत विकास, समावेशी वृद्धि और सामाजिक न्याय पर आधारित हैं, जिससे सहयोग के नए आयाम खुलते हैं। आगामी शिखर सम्मेलन को एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत और अफ्रीका के बीच मित्रता और सहयोग के संबंधों को और मजबूत करेगा। यह विकासशील देशों के बीच साझेदारी का एक प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करेगा। साथ ही यह सम्मेलन भारत की सुशासन और समावेशी विकास की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का भी मंच बनेगा। समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि चौथा भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक संतुलित और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां तक आज के कार्यक्रम में विदेश मंत्री के संबोधन की बात है तो आपको बता दें कि डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि आज भारत की विदेश नीति में अफ्रीका का अहम स्थान है और नयी दिल्ली का अफ्रीका के साथ संबंध समानता, परस्पर सम्मान और साझा प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित एक स्पष्ट दृष्टिकोण से निर्देशित है। उन्होंने कहा कि हम यहां भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन ढांचे के माध्यम से भारत और अफ्रीका के बीच स्थायी साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए एकत्रित हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका संबंध *हमारे सभ्यतागत संबंधों* पर आधारित हैं, जो सदियों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संबंध के माध्यम से विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा कि उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत ने अफ्रीकी देशों के प्रति एकजुटता दिखाई थी और इससे हमारे संबंध और भी मजबूत हुए। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अफ्रीका से भी गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि संघर्ष, एकजुटता, लचीलेपन और आकांक्षाओं का हमारा साझा इतिहास हमारी साझेदारी को आकार देता है। जयशंकर ने कहा कि आज अफ्रीका भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत 2047 की परिकल्पना और अफ्रीका का *एजेंडा 2063* सतत विकास और समावेशी विकास के माध्यम से समृद्धि और प्रगति की दिशा में पूरक रोडमैप हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि कई उच्च स्तरीय राजनीतिक वार्ताओं के साथ भारत और अफ्रीका के बीच प्रमुख स्तंभों पर संबंध मजबूत हुए हैं, और भारत वैश्विक व्यवस्था में अफ्रीका के उचित स्थान का लगातार समर्थन कर रहा है। मंत्री ने कहा कि इस दिशा में एक *महत्वपूर्ण कदम* 2023 में भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को समूह में शामिल करना था। उन्होंने कहा कि यह हमारे इस दृढ़ विश्वास को दर्शाता है कि आने वाले समय में वैश्विक शासन को दिशा देने में ग्लोबल साउथ की आवाजों का विशेष महत्व होगा।

अगले दो हफ्तों में ...

आशंका है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि बढ़ी हुई वर्षा से दैनिक जीवन प्रभावित हो सकता है और अधिकारियों और निवासियों को तैयार रहने की सलाह दी, खासकर जलभराव और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में।

रिनिकी भुइयां के खिलाफ ...

जिसमें चुनाव के संबंध में झूठे बयान देने के लिए धारा 175, आत्मरक्षा के अधिकार से संबंधित धारा 35 और धोखाधड़ी के लिए धारा 318 शामिल हैं। इससे पहले 17 अप्रैल को, असम के मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा दायर एक मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा खेरा की ट्रांजिट जमानत की अवधि बढ़ाने से इनकार करने और उन्हें मामले पर फैसला करने के लिए असम की अदालत में जाने को कहने के बाद उन्हें झटका लगा। यह घटनाक्रम तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा दी गई उनकी अग्रिम जमानत पर रोक लगाने के दो दिन बाद हुआ। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर सहित दो न्यायाधीशों की पीठ ने पारित किया। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका 15 अप्रैल का आदेश कांग्रेस नेता की याचिका पर फैसला करने वाली क्षेत्राधिकार अदालत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा। अदालत ने कहा कि न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही तेलंगाना उच्च न्यायालय असम की उस अदालत के काम में बाधा डालेगा, जो इस मामले की सुनवाई करेगी। खेरा ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसने उन्हें जमानत दे दी। बाद में, असम सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, जिसने हैदराबाद में अपना आवासीय पता बताने वाले खेरा को दी गई राहत के उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी।

अधिकार बचाने की ...

हैं कि यदि उनके अधिकारों की रक्षा नहीं हुई तो संपत्ति, पहचान, पता और रोजगार तक पर संकट आ सकता है। इसी वजह से मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने निकले हैं। उन्होंने कहा कि जनता लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए मतदान कर रही है। ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आगे चलकर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और परिसीमन जैसे कदमों के जरिए राजनीतिक समीकरण बदलने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता इन मुद्दों को समझती है और इसी कारण मतदान में जबरदस्त भागीदारी दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार पर भी मुख्यमंत्री ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन किसी दल द्वारा जीत का दावा करना उचित नहीं है, क्योंकि अंतिम फैसला जनता करती है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम मतदाता तय करेंगे, न कि राजनीतिक घोषणाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता सजग है और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली किसी भी कोशिश का जवाब मतदान के जरिए दे रही है। उन्होंने रिकॉर्ड मतदान को जनता की राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक भागीदारी का प्रमाण बताया।

पश्चिम बंगाल : पहले ...

क्षेत्र में भाजपा के पोलिंग एजेंट पर हमला किए जाने का आरोप लगा। विश्वजीत मंडल नामक कार्यकर्ता के सिर पर गंभीर चोट आई और उनका सिर फट गया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। वहीं जिले के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र के खैराशोल इलाके में मतदान के अंतिम चरण में फिर तनाव भड़क गया। आरोप है कि मतदान मशीन में खराबी के कारण लगभग आधे घंटे तक मतदान रुका, जिसके बाद मतदाता आक्रोशित हो गए। केंद्रीय बलों और लोगों के बीच तीखी बहस हुई। हालात इतने बिगड़े कि सुरक्षा बलों पर पथराव की कोशिश हुई, एक पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की गई और कुछ जवान घायल हो गए। पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए कड़ा रुख अपनाना पड़ा। इसका एक वीडियो सामने आया है जिसमें पुलिस अधिकारी बंदूक निकाल कर उपद्रवियों की ओर तानते नजर आ रहे हैं। मुर्शिदाबाद जिले के नाओदा में सुबह से कई बार तनाव की स्थिति बनी रही। हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के समर्थक आमने-सामने आ गए। आरोप है कि हुमांयू के काफिले पर हमला किया गया, उनके वाहन में तोड़फोड़ की गई और रास्ता रोकने की कोशिश की गई। बाद में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने हस्तक्षेप कर हालात को संभाला। इसी मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिए जाने की सूचना है। जिले के जालंगी विधानसभा क्षेत्र के महिषमारी इलाके के 101 नंबर बूथ पर मतदान मशीन खराब होने से मतदान काफी देर तक बाधित रहा। पश्चिम मेदिनीपुर जिले से भी कई शिकायतें सामने आईं। नारायणगढ़ क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्रीय सुरक्षा बल पार्टी कार्यालय में घुस आए और कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की की, जिसमें तीन लोगों के घायल होने का दावा किया गया। सबंग क्षेत्र में भी एक तृणमूल कार्यकर्ता को बिना कारण पीटे जाने का आरोप लगाया गया। पार्टी प्रत्याशी मानस भुइयां ने दावा किया कि संबंधित व्यक्ति मतदान करने जा रहा था, तभी उसे रोका गया और मारा गया। इसी जिले के केशपुर क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई। सरिषाखोला क्षेत्र के 225 नंबर बूथ पर मतदान करने पहुंचीं एक बुजुर्ग महिला वोट डालने के बाद अचानक बीमार हो गईं। उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई, लेकिन बाद में उनकी मृत्यु हो गई। कूचबिहार जिले के माथाभांगा में भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल उम्मीदवार मतदान केंद्र के 50 मीटर दायरे में बैठकर मतदाताओं को प्रभावित कर रहे थे। पैसे बांटने और मतदाताओं को सुविधा देने के आरोप भी लगाए गए। इसको लेकर दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई, जो बाद में नारेबाजी और टकराव में बदल गई। आसनसोल दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी अग्निमित्रा पाल की गाड़ी पर हमला किए जाने का आरोप भी सामने आया। बताया गया कि हीरापुर थाना क्षेत्र में उनकी गाड़ी के पीछे का शीशा तोड़ दिया गया। भाजपा ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सिलीगुड़ी के एक मतदान केंद्र पर एक युवती ने आरोप लगाया कि जब वह वोट डालने पहुंची तो उसे मालूम चला कि उसका वोट पहले ही पड़ चुका है। घटना के बाद उसने शिकायत दर्ज कराई। भाजपा उम्मीदवार ने निगरानी फुटेज की जांच की मांग की। हल्दिया क्षेत्र से भी केंद्रीय बलों के व्यवहार को लेकर शिकायतें सामने आईं। आरोप लगाया गया कि कुछ स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों ने मतदाताओं के साथ सख्ती की, जिससे लोग असहज महसूस कर रहे थे। दिनभर की इन घटनाओं के बीच प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को कुल मिलाकर नियंत्रित और व्यवस्थित बताया, लेकिन राज्य भर से आई हिंसा, हमलों, मशीन खराबी और राजनीतिक टकराव की घटनाओं ने पहले चरण के मतदान को विवादों में ला दिया। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष मतदान पर सवाल उठाए हैं, जबकि सत्तारूढ़ दल ने आरोपों को राजनीतिक बताया है। चुनाव आयोग ने बताया है कि सभी घटनाओं में रिपोर्ट तलब की गई है और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव के बाद देखेंगे ...

सरकार पर हमला किया है। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घिनौनी हरकत में जो भी शामिल है, सभी को गिरफ्तार करना होगा। मैं भी चुनाव के बाद देखना चाहता हूं कि टीएम के लोग कितने बड़े गुंडे हैं। सुकांत मजूमदार ने कहा कि जो भी टीएमसी के गुंडे हैं, सभी का हिसाब होगा। भाजपा प्रत्याशी के साथ हुई कथित तौर पर मारपीट पर सुंकात मजूमदार ने कहा कि वहां पर सेंट्रल फोर्सेस नहीं थीं। हालांकि, जिस जगह यह घटना हुई, वो शांतिपूर्ण जिला के तौर पर जाना जाता है। वहां उम्मीदवार के साथ इस तरह की हरकत हुई। चुनाव आयोग ने अच्छा कदम उठाया है। पुलिस कुछ गुंडों को पकड़कर ले गई है। भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि मतदान बहुत अच्छे से चल रहा है। लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मैं कह सकती हूं कि आज की तारीख में पश्चिम बंगाल के माहौल में एक सुनामी है। यह कमल की सुनामी है और हमारी सरकार आ रही है। मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग ने सख्ती बढ़ा दी है। जो लोग बदतमीजी करेंगे, उन्हें सजा मिलेगी। असल में जनता ही उन्हें सजा देगी। आप देख ही रहे हैं कि कई जगहों पर वे जनता से भाग रहे हैं। बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में वोटिंग के दौरान दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में तनाव देखने को मिला। यहां भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार के साथ कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने मारपीट की। मारपीट से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक पुलिसकर्मी उन्हें असमाजिक तत्वों से बचाता हुआ दिखाई दे रहा है।

होर्मुज में माइन ...

वाले जहाजों की संख्या में भारी गिरावट आई है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, जहाजों की आवाजाही सामान्य दिनों के मुकाबले करीब 96 प्रतिशत तक कम हो गई है। जहां पहले रोज करीब 120 जहाज इस रास्ते से गुजरते थे, अब यह संख्या घटकर औसतन 4-5 जहाज प्रतिदिन रह गई है। यह गिरावट दिखाती है कि क्षेत्र में तनाव कितना ज्यादा बढ़ चुका है। अमेरिकी-ईरान के बीच *डबल नाकेबंदी* जैसी स्थिति बन गई है। ईरान ने कुछ समय के लिए रास्ता खोलने का एलान किया था, लेकिन बाद में फिर बंद कर दिया, यह कहते हुए कि अमेरिकी नाकेबंदी जारी है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि जहाजों पर हमले और सुरक्षा घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और तेल सप्लाई पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। कुल मिलाकर, होर्मुज अब दुनिया का सबसे संवेदनशील और खतरनाक समुद्री इलाका बन गया है। अगर तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर सीधे वैश्विक अर्थव्यवस्था, तेल की कीमतों और ऊर्जा संकट पर पड़ेगा। बता दें कि होर्मुज दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। अगर यहां माइन बिछाई जाती है, तो जहाजों की आवाजाही पूरी तरह रुक सकती है और वैश्विक ऊर्जा संकट और गहरा सकता है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है, ताकि व्यापारिक जहाजों और तेल सप्लाई को सुरक्षित रखा जा सके।

अमृतपाल सिंह को ...

तीन वर्षों से डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद और उन्हें सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पंजाब पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा। पंजाब पुलिस की एक टीम फरवरी 2023 के अजनाला थाना हमला मामले में गिरफ्तार करने के लिए 19 अप्रैल से डिब्रूगढ़ में डेरा डाले हुए है। अमृतपाल को अजनाला थाना हमला मामले में घटना के लगभग दो महीने बाद 23 अप्रैल, 2023 को पहली बार पंजाब के मोगा जिले से हिरासत में लिया गया था। बता दें कि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह राज्य सरकार के उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया, जिसमें अमृतपाल को रासुका हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद अजनाला मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने और उसके बाद उन्हें डिब्रूगढ़ जेल में ही रखने की बात कही गई थी। अदालत ने पुलिस और न्यायिक हिरासत सहित सुनवाई से संबंधित सभी कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संचालित करने की अनुमति दी, जिससे अमृतपाल को अमृतसर लाए बिना अपना बचाव करने में मदद मिलेगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य से ...

अथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के साथ की जा रही है, जिससे डायवर्जन रोकने में मदद मिल रही है। कमर्शियल एलपीजी की बिक्री अप्रैल की शुरुआत से अब तक 1.40 लाख टन रही है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर महाजन ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विशेष नियंत्रण कक्ष संचालित है और मिशन 24×7 हेल्पलाइन चला रहे हैं। अब तक 12 लाख से अधिक यात्री 28 फरवरी से भारत लौट चुके हैं। यूएई, सऊदी अरब, ओमान और बहरीन से अतिरिक्त उड़ानें चलाई जा रही हैं। कुछ हवाई मार्ग बंद होने के बावजूद वैकल्पिक रास्ते ईरान, आर्मेनिया और अजरबैजान के जरिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के संयुक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। महानिदेशालय शिपिंग के माध्यम से अब तक 2,680 भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी कराई गई है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 65 नाविक शामिल हैं। भारत के सभी बंदरगाह सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और कहीं भी भीड़भाड़ की स्थिति नहीं है।

दुनिया पर मंडरा रहा ...

लगभग बंद हो चुकी है। ऐसे में फ्लाइट्स कम करनी पड़ सकती हैं। फेथ बाइरोल ने कहा कि इस संकट के कारण दुनिया में ऊर्जा के नए स्रोतों की ओर तेजी से बदलाव होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देशों में कोयले का उपयोग भी फिर बढ़ सकता है, खासकर एशिया के बड़े देशों में। स्थिति को संभालने के लिए आईईए ने 400 मिलियन बैरल तेल अपने इमरजेंसी भंडार से जारी करने का फैसला किया है। लेकिन बिरोल ने साफ कहा कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है, स्थायी समाधान नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली समाधान सिर्फ होर्मुज को फिर से खोलना है।

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा ...

अप्रैल को घोषित किया जाएगा। इस घोषणा के साथ ही छात्रों और अभिभावकों के बीच लंबे समय से बनी अनिश्चितता समाप्त हो गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने कहा था कि उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष परीक्षा का परिणाम 21 अप्रैल के बाद घोषित किया जाएगा।

टीएमसी छोड़कर भाजपा...

अलग-अलग दलों के प्रभावशाली नेताओं से बातचीत की जा रही है। हेक के अनुसार, मुकुल सांग्मा ने भाजपा के प्रस्ताव को सिरे से खारिज नहीं किया है। उन्होंने इस पर विचार करने के लिए थोड़ा समय मांगा है। भाजपा नेतृत्व ने उन्हें सोचने का वक्त दिया है और सही समय आने पर उनसे दोबारा संपर्क किया जाएगा। मुकुल सांग्मा मेघालय के सबसे ताकतवर नेताओं में गिने जाते हैं। साल 2021 में उन्होंने एक बड़ा फैसला लेते हुए कांग्रेस छोड़ दी थी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। फिलहाल वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं और विपक्ष के नेता की भूमिका निभा रहे हैं। माना जा रहा है कि सांग्मा फिलहाल मौजूदा राजनीतिक हालातों को भांप रहे हैं। उनके अगले कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं क्योंकि उनका फैसला राज्य की सियासत बदल सकता है। ए.एल. हेक ने एक और बड़ा दावा करते हुए कहा कि केवल मुकुल सांग्मा ही नहीं, बल्कि कई अन्य मौजूदा विधायक भी भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि कम से कम चार विधायक उनके साथ बातचीत कर रहे हैं। ये विधायक साल 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, हेक ने अभी इन विधायकों के नामों का खुलासा नहीं किया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि मुकुल सांग्मा कोई नया क्षेत्रीय दल बना सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि वे कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं के भी संपर्क में हैं। हालांकि, नई पार्टी बनाने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। भाजपा जिस तरह से मुकुल सांग्मा को साधने में जुटी है, उससे साफ है कि पार्टी अगले चुनाव से पहले खुद को बहुत मजबूत स्थिति में देखना चाहती है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन न करने दलों के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में गुरुवार को असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन 16–17 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में प्रस्तुत *नारी शक्ति वंदन अधिनियम (संशोधन) 2026* के समर्थन में किया गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस विधेयक का विरोध कर महिलाओं के अधिकारों का अपमान कर रहे हैं। इसी के विरोध में हजारों महिलाओं ने रैली निकालकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण के पक्ष में नारे लगाए और विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की। इस दौरान महिला मोर्चा की नेताओं ने कहा कि यह विधेयक देश की महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने एकजुट होकर महिला अधिकारों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने सभा में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश की स्वतंत्रता के बाद से लंबे समय तक शासन किया, फिर भी कभी महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों के लिए कोई विशेष कदम उठाया नहीं गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल्द ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत लोकसभा और विधानसभा सीटें आरक्षित की जाएंगी। इसके साथ ही सैकिया ने अपने संबोधन में टिप्पणी की कि कांग्रेस और विपक्षी दल केवल अपने परिवार की महिलाओं को ही प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं। सभा में उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गुवाहाटी की पूर्व सांसद पद्मश्री विजय चक्रवर्ती ने भी विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अधिकार अवश्य मिलने चाहिए। इसके साथ ही डॉ. भूपेन हजारिका का *आह आह ओलाई आह* गीत उन्होंने मंच से स्वयं प्रस्तुत करके उपस्थित हजारों महिलाओं को उत्साहित किया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नीलिमा देवी ने कांग्रेस की महिला विरोधी स्थिति के लिए आलोचना की। आज की इस प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम में एनडीए सहयोगी दल से असम गण परिषद (अगप) का प्रतिनिधित्व करते हुए असम महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष पूरबी तालुकदार, बीपीएफ दल का प्रतिनिधित्व करते हुए बीटीसी की ईएम बेगम अख्तारा अहमद, राभा हासोंग संयुक्त मंच की सचिव सीता राभा और राभा हासोंग स्वायत्त शासित परिषद की ईएम जोनाली राभा उपस्थित रहीं। असम की प्रसिद्ध गायिका शांता उजिर, मालविका बोरा, संध्या मेनन ने भी इस सभा में हिस्सा लिया। इस सभा में महिला शक्ति को प्राप्त होने वाले अधिकार और महिला शक्ति को मिलने वाली समान गरिमा के पक्ष में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी के लिए व्यापक जनमत बना। 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, यह मातृ महिला शक्ति के प्रति दया या करुणा नहीं है, यह महिला शक्ति को मिलने वाले अधिकार का हिस्सा है। कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन ने जैसे *महिला शक्ति सम्मान अधिनियम (संशोधन) 2026* का विरोध कर महिलाओं की राजनीतिक उन्नति में बाधा उत्पन्न की और उनका अपमान किया, यह देश की महिला शक्ति बर्दाश्त नहीं करेगी। महिला विरोधी कांग्रेस की यह नकारात्मक सोच देश की विकास प्रक्रिया में भी बाधा की दीवार के रूप में दिखाई देती है।

कामपुर में अवैध डीजल से भरी बोलेरो जब्त

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर क्षेत्र अंतर्गत काकती गांव में पुलिस ने अवैध रूप से डीजल ले जा रही एक बोलेरो वाहन को जब्त किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में चल रहे अवैध ईंधन कारोबार पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। गुरुवार को सूचना के आधार पर कामपुर पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर तलाशी ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह डीजल लामडिंग से कामपुर होते हुए रहा के मणिपुर टोप की ओर अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। तलाशी के दौरान वाहन से सात ड्रम में करीब 1500 लीटर डीजल बरामद किया गया। जब्त किए गए वाहन का नंबर एएस–01क्यूसी–1993 है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार चालक सहित पूरे गिरोह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राज्य में आंधी–तूफान का कहर, चिरांग में पेड़ से टकराकर बाइक सवार की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विभिन्न हिस्सों में बुधवार की रात आए तेज आंधी–तूफान ने व्यापक तबाही मचाई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। चिरांग जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेज आंधी के कारण सड़क पर गिरे पेड़ से टकराने के चलते बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। अचानक रास्ता बाधित होने से यह हादसा हुआ। वहीं बरपेटा के सर्थेबाड़ी क्षेत्र में तेज हवा के कारण एक मंदिर की टिन की छत उड़ गई। तूफान और बारिश के चलते कई घरों को नुकसान पहुंचा है। आंधी और बारिश के कारण कई इलाकों में पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया है, जबकि कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।

चुनाव सुरक्षा को लेकर असम कांग्रेस की सक्रियता, सात विशेष टीमों का गठन

गुवाहाटी (हिंस)। मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के उद्देश्य से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर राज्यभर के विभिन्न जिलों के लिए सात विशेष टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को संबंधित जिलों में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करने, पार्टी उम्मीदवारों से मिलने और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। टीमों का दौरा 25 अप्रैल से शुरू होगा। अपर असम, नॉर्थ बैंक, मध्य असम व पहाड़ी क्षेत्र, लोअर असम, बराक घाटी और बीटीएडी क्षेत्रों के लिए अलग–अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो विभिन्न जिलों में जाकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगी।

असम के मेरापानी में 15 लाख की अवैध शराब जब्त

गोलाघाट (हिंस)। असम के गोलाघाट जिले के सीमावर्ती क्षेत्र मेरापानी में पुलिस ने एक बड़े अभियान के दौरान लगभग 15 लाख रुपए की अवैध अरुणाचली शराब जब्त की है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि तेजपुर से नगालैंड ले जाने के उद्देश्य से इस शराब को एक ट्रक (एएस 01 सीसी 2143) में सीमेंट की बोरियों के बीच छिपाकर लाया जा रहा था। बताया गया है कि ये सीमेंट की बोरियां शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा से लोड की गई थीं। मेरापानी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर ट्रक को रोक लिया और तलाशी के दौरान अवैध शराब बरामद की। इस दौरान पुलिस ने ट्रक चालक ललित सिंह (मणिपुर निवासी) और हेंडिमैन प्रेम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, जब्त की गई शराब विभिन्न ब्रांडों की है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इसकी बाजार कीमत लगभग 15 लाख रुपए से अधिक है। इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच के लिए पुलिस ने जांच जारी रखी है।

फिर बढ़े अंडों के दाम, प्रति प्लेट 30 रुपए की बढ़ोतरी

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में अंडों के दाम में एक बार फिर वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका है। बाजार सूत्रों के अनुसार, पहले प्रति प्लेट अंडे की कीमत 170 रुपए थी, जो अब बढ़कर 200 रुपए हो गई है। इसी तरह एक कार्टून अंडों की कीमत पहले 1150 रुपए थी, जो अब बढ़कर 1200 रुपए हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि बाहरी राज्यों से आने वाले अंडों की कीमत में वृद्धि के कारण यह बढ़ोतरी हुई है। बाहरी राज्यों में उत्पादन कम होने की वजह से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कीमतों में उछाल आया है। अंडों के दाम में इस बढ़ोतरी का असर आम लोगों के बजट के साथ–साथ अंडा आधारित खाद्य व्यवसायों पर भी पड़ सकता है।

दक्षिण सालमारा आम्सू जिला इकाई ने दी मेघालय की आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी

दक्षिण सालमारा (हिंस)। मेघालय में असम के छोटे मुस्लिम व्यापारियों और श्रमिकों के साथ कथित अत्याचार के विरोध में सदौ असम अल्पसंख्यक छात्र संघ (आम्सू) ने मेघालय के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी करने का निर्णय लिया है। आम्सू के अनुसार, मेघालय में असम के मुस्लिम व्यापारियों और मजदूरों को प्रताड़ित किए जाने की घटनाओं से उनमें भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। संगठन ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। इस कड़ी में हाटशिंगिमारी जिला आयुक्त कार्यालय के सामने आम्सू की जिला इकाई के नेतृत्व में एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में केंद्रीय समिति के छात्र नेताओं सहित बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने मेघालय में असम के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

श्रीरामपुर में 10 मवेशियों समेत वाहन जब्त

कोकराझाड़ (हिंस)। निचले असम के कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव महकमा के श्रीरामपुर क्षेत्र में आज तड़के पुलिस ने एक महत्वपूर्ण अभियान चलाते हुए मवेशी तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोसाईगांव के महकमा पुलिस अधिकारी मोंटूराम बोरा के नेतृत्व में तथा शिमुलटापु पुलिस चौकी प्रभारी संजीव हैंडिक के साथ पुलिस की एक टीम ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने एक डीआई वैन (एएस–19एसी–9232) को जब्त किया, जिसमें 10 मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। तस्करों ने इन मवेशियों को सब्जियों से भरी बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाने की कोशिश की थी, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके।

पलाशबाड़ी में सिलेंडर चोरी गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप क्षेत्र में लंबे समय से जारी गैस सिलेंडर चोरी की घटनाओं का पलाशबाड़ी पुलिस ने खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो शातिर चोर और दो चोरी के सामान के कारोबारी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, चोरों का मुख्य निशाना रसोई गैस के सिलेंडर थे। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से लगातार सिलेंडर चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया, जो सिलेंडर चोरी में सीधे तौर पर शामिल थे। पूछताछ के बाद चोरी के सिलेंडरों की खरीद–फरोख्त में लिप्त दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए सिलेंडर बरामद किए हैं और मामले की आगे जांच जारी है, ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके।

जुबीन गर्ग हत्या मामले में सिद्धार्थ शर्मा का पुनः शपथपत्र दाखिल

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग हत्या मामले में एक अन्य मुख्य आरोपी सिद्धार्थ शर्मा के अधिवक्ता ने आज अदालत में पुनः शपथपत्र दाखिल किया। बुधवार को गलत शपथपत्र दाखिल किए जाने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी थी। अदालत ने सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि निर्धारित की है। मामला फास्ट ट्रैक अदालत में चल रहा है, जहां श्यामकानू महंत की जमानत याचिका पर दो दिनों तक सुनवाई संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में मुख्य आरोपी श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर सुनवाई आज समाप्त होने के बाद अदालत 30 अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी। हालांकि जुबीन हत्याकांड को लेकर अभी भी कुछ लोगों का गुस्सा आसमान पर है।

चिरांग : किताबों के लिए पैसे मांगने पर भड़के अभिभावक, प्रधानाध्यापक की जमकर धुनाई

कोकराझाड़ (विभास)। चिरांग जिले के नांगलबंगा नवोदय हाईस्कूल में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब मुफ्त में मिलने वाली किताबों के बदले पैसे मांगने के आरोप में अभिभावकों ने स्कूल के प्रधानाध्यापक की जमकर पिटाई कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल के प्रधानाध्यापक फारुक अब्दुल्ला पर आरोप है कि वे छात्रों को पाठ्यपुस्तकें वितरित करने के नाम पर अवैध रूप से धन की वसूली कर रहे थे। अभिभावकों का दावा है कि प्रधानाध्यापक ने स्पष्ट कर दिया था कि जो छात्र 500 रुपए नहीं देगा, उसे स्कूल से किताबें नहीं मिलेंगी। सरकारी स्कूल में मुफ्त किताबों के लिए अवैध वसूली की खबर सुनते ही भारी संख्या में अभिभावक स्कूल परिसर में जमा हो गए। जब प्रधानाध्यापक अपनी मांग पर अड़े रहे, तो अभिभावकों का धैर्य जवाब दे गया। आक्रोशित भीड़ ने स्कूल परिसर में ही फारुक अब्दुल्ला को पकड़ लिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी। इस घटना के बाद स्कूल में काफी देर तक अफरा–तफरी और तनाव का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षा के मंदिर में इस तरह की भ्रष्टाचार की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल, शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की ओर से इस मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। फिलहाल आगे की कार्रवाई के लिए जंच–पड़ताल चल रही है।

कामरूप (मेट्रो) में एनईईटी (यूजी) 2026 परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली एनईईटी (यूजी) 2026 परीक्षा के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त जिला आयुक्त, सिटी कोऑर्डिनेटर तथा सभी 17 निर्धारित परीक्षा केंद्रों के केंद्र अधीक्षक उपस्थित रहे। बैठक में परीक्षा दिवस की समय–सारिणी, घंटी कार्यक्रम, अधिकृत अधिकारियों एवं आवश्यक सामग्रियों सहित सभी प्रमुख कार्यात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सिटी कोऑर्डिनेटर–1 द्वारा परीक्षा दिशानिर्देशों, संचालन प्रक्रियाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिससे सभी केंद्र प्रभारी एवं अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति अवगत कराया गया। सुरक्षा के मद्देनजर सभी केंद्रों पर कड़ी व्यवस्था जैसे तलाशी, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी तथा जैमर लगाने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है, जिससे समावेशी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। बैठक में नकल रोकने के उपाय, गोपनीय सामग्री की पैकिंग, परीक्षा के बाद सामग्री भेजने की प्रक्रिया तथा कर्मचारियों की तैनाती से जुड़े दिशा–निर्देशों पर भी चर्चा हुई। जिला आयुक्त ने परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने तथा अभ्यर्थियों को सुगम अनुभव प्रदान करने के लिए सूक्ष्म योजना और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

धुबड़ी : क्वालिटी स्टोर के मालिक रमेश संचेती ने की खुदकुशी

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर के बीचो–बीच जोरा मंदिर के पास स्थित नहाता क्वालिटी स्टोर (ग्रॉसरी के दुकान) के मालिक रमेश संचेती ने अपने इच्छा से आत्महत्या कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह एक सुसाइड नोट अपने हाथ से लिखकर फेसबुक के माध्यम से अपने मोबाइल नंबर के जरिए पोस्ट किया था। सुसाइड नोट में लिखा था कि दिस माई लास्ट लेटर और अपने सुसाइड नोट में लिखा कि मैं किसी के दबाव में नहीं बल्कि अपनी इच्छा से ही आत्महत्या कर रहा हूं। मालूम हो कि रमेश संचेती अपने हाथ से अपना गला काट कर आत्महत्या कर लिया। उक्त इस घटना से पूरे शहर में शोक का माहौल है। मृत्यु के समय उनका उम्र लगभग 48 वर्ष का था। मृत्यु के बाद उन्होंने अपने दो बेटी और धर्मपत्नी को छोड़कर इस दुनिया से चला गया।

केंद्र की नारी शक्ति वंदन बिल पर विरोध के विरूद्ध 27 अप्रैल को होजाई में बड़ा महिला आंदोलन : भाजपा

होजाई (निसं)। केंद्र सरकार द्वारा संपूर्ण भारत में लोकसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ाकर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को लोकसभा में पेश किए गए *नारी शक्ति वंदन संशोधनी विधेयक 2026* का विपक्ष–नेतृत्व वाले मित्रजोट द्वारा विरोध करने के खिलाफ 27 अप्रैल को होजाई शहर में भारी महिला आंदोलन की घोषणा की गई है। भाजपा के राज्यीय संपादक अभिजीत नाथ ने आज होजाई में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार ने नारी शक्ति को संस्थागत रूप से बल देने के लिए यह विधेयक लाया था, लेकिन कांग्रेस–नेतृत्व वाले मित्रजोट ने इसे संख्याबल जमा कर लोकसभा में पारित नहीं होने दिया, जो महिला समाज के प्रति सीधा अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ अपने दलीय लाभ और चुनावी गणित के लिए यह विधेयक गिरा रही है, न कि महिलाओं के वास्तविक उत्थान के लिए। संवाददाता सम्मेलन में होजाई जिला अध्यक्ष दीलीप धर, होजाई नगरपालिका की पौरनेत्री चतुर्थी विश्वास, होजाई जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष प्रभामणि काकती बरुवा, जिला परिषद की अध्यक्षा जोनटी बरुवा व उपाध्यक्षा सुशीला मालाकार, अधिवक्ता शताब्दी गोर तथा अन्य नेतृयों की उपस्थिति में घोषणा की गई कि 27 अप्रैल को होजाई शहर में लगभग पचास हजार महिलाएं एकजुट होकर नारी शक्ति के सम्मान की माँग को लेकर तीव्र प्रतिवाद आंदोलन करेंगी। अभिजीत नाथ ने कहा कि दशकों से कांग्रेस ने गणतांत्रिक अधिकारों की दावेदार महिलाओं को पिछड़ा रखा है और अब जब सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने महिला आरक्षण को वैधानिक रूप देने की कोशिश की, तो विपक्ष ने उसे वोटों से धराशायी कर दिया। इसी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा और एनडीए के सहयोगी दल पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, और होजाई में 27 अप्रैल को होने वाला आंदोलन इन्हीं आक्रोश की एक मजबूत अभिव्यक्ति होगा। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस आंदोलन में भरपूर संख्या में शामिल होकर कांग्रेस–मित्रजोट को उनकी नीति का मजबूत जवाब दें।

एनटीपीसी बंगाईगांव ने वृक्षारोपण अभियान के साथ मनाया *विश्व पृथ्वी दिवस*

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी बंगाईगांव के पर्यावरण प्रबंधन समूह विभाग द्वारा सालाकाटी स्थित परिसर में *हमारी शक्ति, हमारा ग्रह* थीम के साथ *विश्व पृथ्वी दिवस* उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। परियोजना प्रमुख अर्णब मैत्रा ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान टाउनशिप और संयंत्र परिसर के विभिन्न हिस्सों में 30 से अधिक पौधे लगाए गए। इनमें मुख्य रूप से फलदार और स्थानीय प्रजातियों के पौधे शामिल थे। इस मौके पर श्री मैत्रा ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और जैव विविधता के संरक्षण में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। पर्यावरण की रक्षा हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी पर्यावरण के अनुकूल आदतों को अपनाना चाहिए। परियोजना प्रमुख ने इस पहल को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए ईएमजी विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया कि वे संसाधनों का समझदारी से उपयोग करें और पृथ्वी को हरा–भरा बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

संपादकीय

शहर के लिए आपका मत

स्थानीय निकाय चुनावों के प्रथम चरण का बिगुल बज गया है और तपती दोपहरी के आलम में इस बार मुद्दे कितने तपेंगे यह देखने के लिए आचार संहिता शुरू हो गई। यह दीगर है कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव अभी अपनी फेहरिस्त के दरवाजे नहीं खोल पाए, फिर भी हिमाचल में कुछ दिनों तक चुनावी चाशनी व चटनी एक साथ परोसी जाएगी। राजनीतिक फलक पर बिखरे संवाद, टूटे धागे और नए समीकरणों के आगोश में राजतलिक की तैयारियां। जाहिर है हिमाचल अपने 51 शहरों के गठजोड़ से शहरीकरण की फिर से व्याख्या करेगा। नगर निकाय नेतृत्व के कई सवाल बांसुरी बजा रहे हैं, तो सियासत की सीढ़ियों पर नजरें गड़ाए कई लोग शिरकत करेंगे। सुखद पहलू यह कि गांव से नगर पंचायत, नगर पंचायत से नगर परिषद और नगर परिषदों से नगर निगमों के सफर पर निकले शहर अब शहरी जरूरतों के अलग से मुद्दे चुनने लगे हैं, लेकिन पार्षदों की पहचान में अभी हिमाचल परिपक्व नहीं हुआ, नतीजतन नगर निगम स्तर पर भी केवल खिचड़ी ही पक रही है। कम से कम जनता तक यह संदेश कौन देगा कि शहरीकरण के माध्यम से जीने की परीक्षा और अस्तित्व की पहचान में फर्ज अदायगी ही क्यों बढ़ जाती है। यहां गांव के चूल्हा कर से शहर के प्रापर्टी टैक्स की जरूरत को लंगड़ी मारने का अभिप्राय यह कि जनता निरंकुश घोंसलों में रहना चाहती है। तीसरे चुनाव के करीब पहुंचे नगर निगम धर्मशाला में सम्मिलित इलाकों के बाशिंदे, अगर प्रापर्टी टैक्स देने की न नुकर में इतिहास लिख रहे हैं, तो शहर आगे बढ़ेंगे कैसे। आश्चर्य यह भी है कि शहरीकरण की चुनौतियों के सामने भविष्य का कोई स्पष्ट खाका नहीं बना है। जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज, शहरी परिवहन, आधुनिक बाजार, पार्क व पार्किंग जैसी आधारभूत सुविधाओं के खाके ही अधूरे हैं, तो आगे बढ़ने की दृष्टि कैसी होगी। केवल राजनीति का एक अखाड़ा बनकर, कांग्रेस बनाम भाजपा साबित होने की मंशा ही अगर चुनाव है, तो नागरिक समाज कैसे रेखांकित होगा। नगर निगम चुनाव के प्रत्याशी अधिकतम एक लाख रुपया ही खर्च पाएंगे, तो आदर्शवाद की ये लोरियां केवल सुनने में ही अच्छी लगती हैं, जबकि हकीकत यह है कि राजनीतिक चुनाव चिन्ह को जिंदा रखने के लिए अब खर्च के आदर्श ही बदल गए हैं। आम चुनावों की तरह नगर निकाय के चुनावी युद्ध में चारित्रिक विध्वंस के कई पड़ाव सामने आने लगे हैं। ऐसे में न शुचिता और न ही शुद्धता की देखरेख में चुनावी परिपाटी आगे बढ़ेगी। यह दीगर है कि प्रदेश का सियासी मूड और राजनीतिक पार्टियों की शैलियां स्वरूप होंगी। उम्मीद करनी चाहिए कि सत्तारूढ़ व विपक्षी दल, शहरीकरण के लिहाज से अपने वादे सामने रखें और यह बताएं कि उनके मॉडल क्या हैं। महिला आरक्षण की नई तासीर और समाज के समानांतर राजनीति अखाड़ों की मिट्टी से कई खिलौने बनाए जाएंगे। सियासत अपने चेहरे देखेगी, विपक्ष को एक नया अवसर तथा चुनाव की तलहटी में बिछे मुद्दों को आक्सीजन मिलेगी, तो नागरिक अधिकारों का मुद्दा कहीं बहुत पीछे रह जाएगा। देखना यह होगा कि अपनी छोटी इकाइयों में हिमाचल क्या खुद को सुशासन में ढाल पाएगा। आर्थिक मोर्चे पर शहरीकरण से उपजे रोजगार के प्रति हम क्या कर पाते हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचल के शिमला और धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं अपना मकसद पूरा नहीं कर पाईं। टीसीपी कानून की झाड़ियां शहरीकरण की मूल भावना नहीं समझ पाईं। चूल्हा और प्रापर्टी टैक्स से बचते नागरिक शहरीकरण के मूल सिद्धांत को ही अस्वीकार कर रहे हैं, तो निकाय चुनावों के परिणामों से हम क्या आशा करेंगे।

नगर निकाय नेतृत्व के कई सवाल बांसुरी बजा रहे हैं, तो सियासत की सीढ़ियों पर नजरें गड़ाए कई लोग शिरकत करेंगे। सुखद पहलू यह कि गांव से नगर पंचायत, नगर पंचायत से नगर परिषद और नगर परिषदों से नगर निगमों के सफर पर निकले शहर अब शहरी जरूरतों के अलग से मुद्दे चुनने लगे हैं, लेकिन पार्षदों की पहचान में अभी हिमाचल परिपक्व नहीं हुआ, नतीजतन नगर निगम स्तर पर भी केवल खिचड़ी ही पक रही है। कम से कम जनता तक यह संदेश कौन देगा कि शहरीकरण के माध्यम से जीने की परीक्षा और अस्तित्व की पहचान में फर्ज अदायगी ही क्यों बढ़ जाती है। यहां गांव के चूल्हा कर से शहर के प्रापर्टी टैक्स की जरूरत को लंगड़ी मारने का अभिप्राय यह कि जनता निरंकुश घोंसलों में रहना चाहती है। तीसरे चुनाव के करीब पहुंचे नगर निगम धर्मशाला में सम्मिलित इलाकों के बाशिंदे, अगर प्रापर्टी टैक्स देने की न नुकर में इतिहास लिख रहे हैं, तो शहर आगे बढ़ेंगे कैसे। आश्चर्य यह भी है कि शहरीकरण की चुनौतियों के सामने भविष्य का कोई स्पष्ट खाका नहीं बना है। जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज, शहरी परिवहन, आधुनिक बाजार, पार्क व पार्किंग जैसी आधारभूत सुविधाओं के खाके ही अधूरे हैं, तो आगे बढ़ने की दृष्टि कैसी होगी। केवल राजनीति का एक अखाड़ा बनकर, कांग्रेस बनाम भाजपा साबित होने की मंशा ही अगर चुनाव है, तो नागरिक समाज कैसे रेखांकित होगा। नगर निगम चुनाव के प्रत्याशी अधिकतम एक लाख रुपया ही खर्च पाएंगे, तो आदर्शवाद की ये लोरियां केवल सुनने में ही अच्छी लगती हैं, जबकि हकीकत यह है कि राजनीतिक चुनाव चिन्ह को जिंदा रखने के लिए अब खर्च के आदर्श ही बदल गए हैं।

परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है

छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

ललित गर्ग

कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिन्ह हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है।

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिन्ह हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्महत्या करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस भ्रम को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है। शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है। विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं। राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज को भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकट और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

देश | दुनीया से

वैश्विक औसत से बहुत दूर है सत्ता में महिलाओं की भागीदारी

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी ओर विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हांलाकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करे तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करे तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक महिलाओं की बढ़

नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रौचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हांलाकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थी। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य है। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य है। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य है। खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती है। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा। यह सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा।

कुछ | अलग

अपने मुंह मियां मिट्ठू बनना

यहां जो लोग हमें मिलते हैं, उनकी निपुणता अपना प्रशस्ति गायन स्वयं करने में होती है। अपने मुंह मियां मि_ बनना इतनी पुरानी कहावत हो गई है कि अब तो बच्चे भी इसे नहीं दोहराते। हमें लगता है कि अपना प्रशस्ति गायन करना और करते रहना अब एक ऐसी कला में बदल गया है, कि ये लोग अपनी शान में कसीदे पढ़ते हुए तनिक भी नहीं झिझकते, और फिर उम्र भर यही विश्वास जीते चले जाते हैं, कि ये सब गुण उनमें सदा से थे, आपको ही नजर नहीं आए। यह बात केवल एक व्यक्ति के लिए ही नहीं, पूरे देश पर लागू हो रही है। हम अपने देश को सबसे बड़ा गणतंत्र बताते हुए, तनिक भी नहीं झिझकते। दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र, लेकिन यह सबसे उत्तम भी है क्या? इसका उत्तर इसका कोई पैरोकार नहीं देता। कभी 77 वर्ष पहले जब इस देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का संविधान घोषित हुआ था, तब सबको विश्वास था कि जनाब इतना प्राचीन और पवित्र देश है कि आज भी इस देश में वैदिक ऋचाएं गूंजती रहती हैं। नैतिक मूल्यों का वर्चस्व है। देश आजाद हो गया है। अब तो राजमुकुट एक साधारण से साधारण आदमी भी पहन सकेगा। जनता का राज आ गया है। अब एक किसान और मजूर का बेटा भी सत्तारूढ़ होकर सबके भले के लिए सोच सकेगा। विशेषकर अपनी उन कठिनाइयों का समाधान अवश्य कर लेगा, जो सदियों से यहां लंबित हैं, और जिनका समाधान न होने का धीरज हम सबमें अब पैदा कर लिया है। लीजिये साहब तीन चौथाई से ज्यादा सदी गुजर गई। हम लोग मेलों ठेलों में यकीन करते हैं न, इसलिए इस आजादी को अमृत कह उसका महोत्सव भी हमने मना लिया।

आप का | नजरीया

'तार्किक विसंगति' कौन चिड़िया?

भारत के चुनाव आयोग का आदर्श वाक्य रहा है-'एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए।' आज के दौर में यह आदर्श वाक्य 'अनादर्श' में तबदील होकर गायब हो गया है। हम चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का विश्लेषण करते आए हैं और हमने सवाल भी उठाए हैं। जिस संविधान ने चुनाव आयोग को विशेष शक्तियां दी हैं, उसी संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं। मताधिकार उन्हीं में से एक है। मताधिकार हमारे लोकतंत्र की संजीवनी है, रीढ़ है, क्योंकि मताधिकार के जरिए ही हम अपने जन-प्रतिनिधियों को चुनते हैं। वे संसद और विधानसभा में बैठ कर लोकतंत्र की राष्ट्रीय व्यवस्था संचालित करते हैं। इससे भयानक, क्रूर विडंबना और लोकतंत्र का दुर्भाग्य क्या होगा कि चुनाव आयोग ही मताधिकार छीन रहा है और असंख्य मतदाताओं के नाम काट चुका है। आज गुरुवार, 23 अप्रैल, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान है, 152 सीटों पर लोग मताधिकार का प्रयोग करके अपना जनादेश तय करेंगे, लेकिन 14,28,771 मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में रख कर उनके मताधिकार को अधर में लटका दिया गया है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके संदर्भ में 12,87,622 मतदाताओं के नाम पर 'लाल लकीर' फेर दी गई है। आखिर यह 'तार्किक विसंगति' किस चिड़िया का नाम है? संविधान में इसके तहत कोई और विशेषाधिकार निहित नहीं हैं। ऐसे सवाल देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त भी उठा रहे हैं और आयोग के आदर्श वाक्य पर हैरान और क्षुब्ध हैं। बंगाल में 27 लाख से अधिक मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छीन लिए गए, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने सीधा, स्पष्ट आदेश नहीं दिया है कि विचाराधीन लोगों को कमोबेश वोट डालने दिया जाए, क्योंकि वे मतदाता सूचियों में दर्ज रहे हैं। ऐसी विशेष शक्तियां संविधान ने न्यायपालिका, खासकर सर्वोच्च अदालत को भी दी हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह तो आदेश दिया था कि जिनकी अपील स्वीकार हो जाती है, उन मतदाताओं की एक पूरक सूची 21 अप्रैल और 27 अप्रैल को प्रकाशित की जाए और उन्हें वोट देने का पूरा संवैधानिक अधिकार है। सवाल है कि मतदान तो शुरू हो चुका है, लेकिन पूरक सूची कहां है? चुनाव आयोग कमोबेश प्रेस वार्ता कर यह स्पष्ट कर सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार खामोश क्यों रहते हैं? जब राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने जाते हैं, तो वह फटकार कर उन्हें बोल देते हैं-दफा हो जाओ! यह क्या है? क्या ज्ञानेश कुमार सामंतवादी, एकाधिकारवादी हैं? सवालिया यह भी है कि अपील सुनने वाले सभी 19 ट्रिब्यूनल भी कहां हैं? यह सवाल सर्वोच्च अदालत ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी पूछा है। 'तार्किक विसंगति' अन्य राज्यों के एसआईआर में तो तय नहीं की गई। उप्र में भी 2.89 करोड़ मतदाता विचाराधीन थे। वहां मामला कैसे निपट गया? इसके अलावा, 85 लाख और मतदाता कहां से आ गए? बिहार में भी 10,000 से कम मतदाताओं के नाम सवालिया थे, लिहाजा विचाराधीन थे। वहां तो 'तार्किक विसंगति' नहीं बनाई गई। दरअसल अंग्रेजी में लिखे नामों की वर्तनी (स्पेलिंग) कई तरह से लिखी जाती है। मसलन-'चौधरी' शब्द की वर्तनी ही दसियों तरीके से लिखी जाती है। क्या महज इसी आधार पर किसी का मताधिकार छीना जा सकता है? यदि माता-पिता की उम्र अथवा दादा-दादी की उम्र में अंतर हैं, तो अगली पीढ़ी को मताधिकार से वंचित कैसे रखा जा सकता है? मताधिकार तो प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक, मौलिक अधिकार है। चुनाव आयोग ने जिन लाखों लोगों के नाम काट दिए हैं, क्या वे अब देश के नागरिक नहीं हैं? क्या जनगणना में उनके नाम नहीं गिने जाएंगे? क्या उन्हें, देर-सबेर, देश से बाहर कर दिया जाएगा? नागरिकता तय करना कोई चुनाव आयोग की 'चैरिटी' नहीं है, न ही विशेषाधिकार है। 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में जो मतदाता हैं, उनमें करीब 66 फीसदी मुसलमान हैं और 32 फीसदी हिंदू हैं।

हम चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का विश्लेषण करते आए हैं और हमने सवाल भी उठाए हैं। जिस संविधान ने चुनाव आयोग को विशेष शक्तियां दी हैं, उसी संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं। मताधिकार उन्हीं में से एक है। मताधिकार हमारे लोकतंत्र की संजीवनी है, रीढ़ है, क्योंकि मताधिकार के जरिए ही हम अपने जन-प्रतिनिधियों को चुनते हैं। वे संसद और विधानसभा में बैठ कर लोकतंत्र की राष्ट्रीय व्यवस्था संचालित करते हैं। इससे भयानक, क्रूर विडंबना और लोकतंत्र का दुर्भाग्य क्या होगा कि चुनाव आयोग ही मताधिकार छीन रहा है और असंख्य मतदाताओं के नाम काट चुका है। आज गुरुवार, 23 अप्रैल, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान है, 152 सीटों पर लोग मताधिकार का प्रयोग करके अपना जनादेश तय करेंगे, लेकिन 14,28,771 मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में रख कर उनके मताधिकार को अधर में लटका दिया गया है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके संदर्भ में 12,87,622 मतदाताओं के नाम पर 'लाल लकीर' फेर दी गई है। आखिर यह 'तार्किक विसंगति' किस चिड़िया का नाम है? संविधान में इसके तहत कोई और विशेषाधिकार निहित नहीं हैं।

दृष्टि | कोण

बंगाल की बिसात पर योगी की 'हिंदुत्व' वाली गर्जना

बंगाल की राजनीति के केंद्र में इस समय केवल चुनावी आंकड़े नहीं, बल्कि विचारधाराओं का वह प्रचंड टकराव है जिसने भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों को बिल्कुल आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो भगवा चोले में हिंदुत्व की धार और 'बुलडोजर मॉडल' की धमक लेकर बंगाल की गलियों में टीएमसी के किले को ढहाने निकले हैं, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हैं, जिन्होंने इस चुनावी शोर से एक सोची-समझी दूरी बना रखी है। यह दूरी महज संयोग नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव और दिल्ली की गद्दी के लिए बुनी जा रही उस बिसात का हिस्सा है, जहां हर कदम फूंक-फूंक कर रखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का बंगाल में उतरना महज एक स्टार प्रचारक की मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश है जो सीधे लखनऊ के गलियारों तक पहुंच रहा है। योगी आदित्यनाथ जब पुरुलिया या कोलकाता की सड़कों पर गरजते हैं, तो उनके निशाने पर सिर्फ ममता बनर्जी नहीं होतीं, बल्कि वह तुष्टिकरण की उस राजनीति पर प्रहार करते हैं जिसे भाजपा बंगाल में अपनी जीत की कुंजी मानती है। योगी का 'स्ट्राइक रेट' अब सिर्फ चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विपक्षी खेमे के लिए सिरदर्द बन चुका है। बिहार चुनाव में 90 फीसदी और दिल्ली में करीब 78 फीसदी की सफलता दर ने उन्हें भाजपा का सबसे बड़ा 'इम्पैक्ट मेकर' बना दिया है। वह बंगाल की धरती पर खड़े होकर जब यह कहते हैं कि 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है', तो वह दरअसल बंगाली अस्मिता को हिंदुत्व के साथ जोड़कर एक नया नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं। उनका सीधा हमला कोलकाता के मेयर के उस बयान पर है जिसमें उर्दू की वकालत की गई थी। योगी यहां स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि बंगाल में केवल बंगाली और भारतीय संस्कृति चलेगी, किसी भी प्रकार का विदेशी प्रभाव या तुष्टिकरण स्वीकार्य नहीं होगा। दूसरी ओर, अखिलेश यादव की खामोशी उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य की ओर इशारा करती है। बंगाल में ममता बनर्जी और अखिलेश के संबंध जगजाहिर हैं। ममता ने यूपी चुनाव में अखिलेश के लिए रैलियां कीं, लेकिन आज जब बंगाल में ममता को उनकी जरूरत थी, तब अखिलेश ने खुद को पीछे खींच लिया। इसके पीछे 'गठबंधन धर्म' का पेचीदा गणित है। बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट एक साथ हैं और टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस का अटूट साथ है। अगर अखिलेश बंगाल में ममता के मंच पर जाते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों में दरार आ सकती थी। भाजपा को यह कहने का मौका मिल जाता कि अखिलेश 'दो नावों की सवारी' कर रहे हैं। साथ ही, बंगाल में जिस तरह से ध्रुवीकरण की राजनीति चरम पर है, अखिलेश नहीं चाहते कि वह ममता के साथ खड़े होकर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के उन आरोपों को खुद पर ओढ़ लें, जिससे वह यूपी में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिए बचने की कोशिश कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का 'यूपी मॉडल' बंगाल में एक ब्रांड बन चुका है। वह अपनी रैलियों में बार-बार 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हैं। वह बताते हैं कि कैसे कभी यूपी में माफियाओं का राज था, वैसे सड़कों पर नमाज के नाम पर अराजकता होती थी और वैसे त्योहारों पर पाबंदियां थीं। उनका 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा' का नारा बंगाल के उन मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है जो कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। योगी का बुलडोजर अब सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि सुशासन का प्रतीक बन चुका है, जिसे वह बंगाल में टीएमसी के 'गुंडाराज' के खिलाफ एक हथियार के तौर पर पेश कर रहे हैं। वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हैं कि भाजपा की सरकार बनते ही अपराधी जेल में होंगे, ठीक वैसे ही जैसे यूपी के माफिया आज बिलों में छिपे हैं या जेल की सलाखों के पीछे हैं।

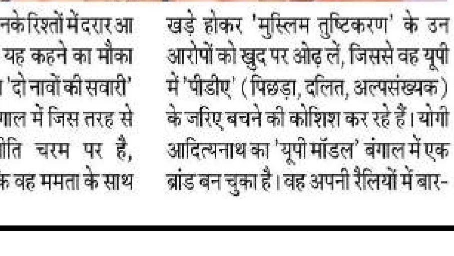

नर्सेज संगठन का राजस्थान एसोसिएशन में विलय

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर नर्सेज के एक संगठन राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत के जिलाध्यक्ष खेताराम चौधरी ने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देकर अपने संगठन का राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन में विलय कर दिया है। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह मेडतिया ने बताया कि राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन और राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत की संयुक्त बैठक मथुरादास माथुर अस्पताल में आयोजित की गई जिसमें नर्सेज हित में खेताराम चौधरी ने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देकर राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर में विलय करने की घोषणा की। इस पर राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह मेडतिया और टीम ने इस फैसले का सम्मान करते हुए उनको राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन का दुपट्टा पहनाकर सम्मान और अभिनंदन कर बधाई दी। खेताराम चौधरी ने बताया कि राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के वर्तमान जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह मेड़तिया सराहनीय कार्य कर रहे है। उनकी कार्यशैली से प्रेरित होकर एव नर्सेज हित में संगठन को मजबूती प्रदान करने, उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने के लिए उन्होंने अपने गुट का विलय करने का निर्णय लिया।

नीतीश जी की जनहित और विकास नीतियां मजबूती से जारी है : विजय कुमार चौधरी

पटना (हिंस)। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि शुक्रवार को राज्य सरकार विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने जा रही है। इसका प्रस्ताव मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा विधानसभा सचिवालय को विधिवत रूप से उपलब्ध करा दिया गया है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सरकार सदन में मजबूत बहुमत के साथ विश्वास मत प्राप्त करेगी। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी गुरुवार को जदयू के प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। यह सरकार नीतीश कुमार के आशीर्वाद से स्थापित एवं उनके मार्गदर्शन में कार्यरत सरकार है, इसलिए बहुमत साबित करने को लेकर किसी प्रकार की शंका नहीं है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कई बार स्पष्ट किया है कि यह सरकार नीतीश

कुमार के मार्गदर्शन में, उनकी नीतियों और विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की ऐतिहासिक यात्रा तय की है और जनता का निरंतर समर्थन राजग के प्रति अटूट विश्वास को दर्शाता है। सरकार उसी जनादेश के अनुरूप जनहित और विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा जब नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया, तो एनडीए की सर्वसम्मति से सम्राट चैधरी को नई जिम्मेदारी सौंपी गई। सरकार भले ही नई है, लेकिन उसकी नीति और दिशा नीतीश कुमार के विकासपरक मार्ग पर ही आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राजद शासनकाल में वित्त विभाग हमेशा लाल घेरे में रहता था, जबकि आज राज्य की वित्तीय व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ है। निशांत की प्रस्तावित यात्रा को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है और यह एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा को लेकर राजद द्वारा की जा रही टिप्पणियां पूरी तरह राजनीति से प्रेरित हैं, जबकि जदयू की जनसंपर्क यात्राओं का लाभ बिहार की जनता ने प्रत्यक्ष रूप से देखा है। इस अवसर पर विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, अनिल कुमार एवं प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी उपस्थित रहे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

गहलोत-पायलट की तस्वीरों पर राठौड़ ने कहा

दिखावे की एकता से नहीं छिपेंगे मतभेद

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट की हालिया तस्वीरों को लेकर तीखा हमला बोला है। राठौड़ ने कहा कि सार्वजनिक रूप से साथ आकर तस्वीरें खिंचवाना कांग्रेस नेताओं की वास्तविक एकजुटता नहीं, बल्कि उनके अंदरूनी मतभेदों को छिपाने की कोशिश है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बार-बार फोटो के जरिए एकता दिखाने की कोशिश यह बताती है कि हकीकत में सब कुछ ठीक नहीं है। दिखावे की यह एकजुटता उनके आपसी मतभेदों को और उजागर कर रही है। राठौड़ ने अशोक गहलोत के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पहली बार राहुल गांधी ने एसटी, एससी और ओबीसी वर्गों के मुद्दों पर बात की है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने कहा कि यह बयान कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़ा करता है। उन्होंने पूछा कि क्या इसका अर्थ यह है कि इससे पहले इन वर्गों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया ? रिफाइनरी से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर बोलते हुए राठौड़ ने विपक्ष को संयम बरतने की सलाह दी।

समाधान शिविर में डीसी ने देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

कैथल (हिंस)। लघु सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त अपराजिता ने आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। शिविर में देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में समय की पाबंदी सुनिश्चित करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है, इसलिए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने लंबित शिकायतों पर भी सख्त संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को तय समयसीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में शहर में बेसहारा पशुओं, विशेषकर आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या प्रमुख रूप से सामने आई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इनकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। इस पर डीसी ने नगर परिषद के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अवैध अतिक्रमण की शिकायतें भी सामने आईं। डीसी ने डीएमसी को मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए। वहीं, वार्ड नंबर 22 की दर्शना देवी ने वर्ष 2005 से मिल रही विधवा पेंशन बंद होने की शिकायत रखी। इस पर डीसी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को तुरंत जांच कर नियमानुसार पेंशन बहाल करने के निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने दोहराया कि जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रहा है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी करेंगे अमृता देवी सर्कल का लोकार्पण महिला छात्रावास व नर्सिंग ब्लॉक का करेंगे शिलान्यास

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 30 अप्रैल को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आएंगे। इस दिन मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय में स्थापित खेजड़ली महाबलिदान स्मृति शिल्प एवं माता अमृता देवी सर्कल का लोकार्पण करेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय में बनने वाले 140 कमरों के नए महिला छात्रावास व नए नर्सिंग ब्लॉक का शिलान्यास भी करेंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने तैयारियां आरंभ कर दी हैं। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने मुख्यमंत्री से चंडीगढ़ में मुलाकात कर उन्हें विश्वविद्यालय में आने का निमंत्रण दिया, जिसे माननीय मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। गुरु जम्भेश्वर जी महाराज की अनुयायी माता अमृता देवी का पर्यावरण संरक्षण में महान योगदान है। माता अमृता देवी के नेतृत्व में ही सन 1730 में जोधपुर के पास खेजड़ली गांव में 363 वीर बिश्नोईयों ने अपनी जान देकर भी खेजड़ली के पेड़ों को कटने नहीं दिया था। उन्हीं के सम्मान में विश्वविद्यालय में खेजड़ली महाबलिदान स्मृति शिल्प एवं माता अमृता देवी सर्कल की स्थाना की गई है। 140 कमरों के नए प्रस्तावित महिला छात्रावास के लिए केंद्र सरकार से विश्वविद्यालय को अनुदान मिला है। इस छात्रावास के निर्माण के बाद विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए छात्रावास की समस्या का समाधान हो जाएगा। विश्वविद्यालय में नए पेरामेडिकल कोर्स शुरू किए गए हैं, जिनके लिए नए नर्सिंग ब्लॉक का निर्माण प्रस्तावित है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की हालिया उपलब्धियों, चल रही योजनाओं और आगामी पांचवर्षीय विस्तृत रोडमैप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कुलपति प्रो. बिश्नोई ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विश्वविद्यालय की प्रगति और प्रस्तुत रोडमैप की सराहना की।

फर्जी डिग्री कांड : व्याख्याता भर्ती में फर्जीवाड़ा कराने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित प्राध्यापक-हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी पाने की कोशिश करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री तैयार करने और करवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले आरोपी ध्वज कीर्ति शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मेवाड विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ मिलकर अभ्यर्थियों को फर्जी अंकतालिकाएं और डिग्रियां बांटी थीं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित प्राध्यापक-हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी दिलाने में सहयोग करने सहित फर्जी डिग्री तैयार करने और करवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले आरोपी ध्वज कीर्ति शर्मा (55)निवासी गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है।

आरोपी शातिर जालसाज है। उसके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां जारी करने के कई प्रकरण दर्ज हैं। वह लंबे समय से शिक्षा जगत में इस तरह के फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहा था। विशाल बंसल ने बताया कि अभ्यर्थी कमला कुमारी ने पात्रता जांच के दौरान मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार (चित्तौड़गढ़) की एमए (हिंदी) की डिग्री पेश की थी। आयोग ने जब इस डिग्री का विश्वविद्यालय से सत्यापन कराया तो सामने आया कि ऐसी कोई डिग्री वहां से जारी ही नहीं हुई है। इसके बाद मार्च 2023 में अजमेर के सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज किया गया था जिसकी जांच एसओजी कर रही है। जांच में बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपी ध्वज कीर्ति शर्मा ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट/प्रो-प्रेसिडेंट कौशल किशोर चंद्रुल, सुशील कुमार शर्मा, उप परीक्षा नियंत्रक, कार्यालय सहायक राजेश सिंह राणावत और वीरेन्द्र सिंह के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा। जहां आरोपी ध्वज कीर्ति ने फर्जी माइग्रेशन सर्टिफिकेट, चरित्र प्रमाण पत्र और डिग्री पर डीन व रजिस्ट्रार की फर्जी सील लगाकर स्वयं के हस्ताक्षर किए थे। मुख्य आरोपी ध्वज कीर्ति शर्मा को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान उससे अन्य फर्जी डिग्रियों और इस गिरोह के अन्य नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 में लगे कर्मचारी के स्थानांतरण एवं कार्यमुक्ति आदेश पर अन्तरिम रोक

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जोधपुर ने स्कूल व्याख्याता, (हिंदी) के पद पर कार्यरत् श्रीमती हेमलता शर्मा स्थानांतरण आदेश व कार्यमुक्ति आदेश पर अन्तरिम रोक लगाते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग से जवाब तलब किया। हेमलता शर्मा वर्तमान में स्कूल व्याख्याता (हिंदी) के पद पर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदेरणा कॉलोनी, जोधपुर में कार्यरत है। 10 जनवरी 2026 के निर्देशक माध्यमिक शिक्षा के आदेश से उसका वर्तमान स्थान से स्थानांतरण राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बापिणी, जिला फलौदी में किया गया। परन्तु उसे कार्यमुक्त नहीं किया गया। 12 मार्च 2026 को निर्देशक माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा एक पत्र जारी कर अपने मातहत सभी अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि जिस किसी कर्मचारी को 16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है उन कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने से पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी या सक्षम अधिकारी से पूर्वानुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्यमुक्त किया जावे। क्योंकि 16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 का कार्य राष्ट्रीय

स्तर का कार्य है इसमें किसी प्रकार की कौताही नहीं बरती जावें। 01 अप्रैल 2026 के आदेश से प्रार्थीनी को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रगणक के रूप में 16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 में अतिरिक्त कार्यभार प्रदान किया गया। जिसके उपरान्त भी प्रधानाचार्य, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदेरणा कॉलोनी, जोधपुर द्वारा उसे 13 अप्रैल 2026 को कार्यमुक्त कर दिया गया। विभाग के इस तथ्य से व्यथित होकर प्रार्थीनी ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक अपील अधिकरण श्री के समक्ष प्रस्तुत की। अधिकरण के समक्ष प्रार्थीनी के अधिवक्ता का तर्क था कि निर्देशक माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जिस किसी कर्मचारी को 16वीं राष्ट्रीय जनगणना-2027 में अतिरिक्त दायित्व प्रदान किया गया उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया जाना है एवं इस कार्य को सर्वोच्चय प्राथमिकता प्रदान करनी है एवं किसी कारणवश किसी कर्मचारी को कार्यमुक्त करना भी है तो उस कर्मचारी को कार्यमुक्त करने से पूर्व सक्षम अधिकारी या जिला जनगणना अधिकारी द्वारा पूर्वानुमति लेने के पश्चात् ही कार्यमुक्त किया जा सकता है। प्रार्थीनी को प्रगणक के रूप में अतिरिक्त दायित्व दिनांक 01 अप्रैल 2026 को प्रदान किया गया, इसके उपरान्त भी दिनांक 13 अप्रैल 2026 के आदेश से प्रार्थीनी को प्रधानाचार्य, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदेरणा कॉलोनी, जोधपुर द्वारा कार्यमुक्त किया गया एवं उसे राजकीय सीनियर सेकेंडरी सकूल, बापिणी, फलौदी में जाकर कार्यग्रहण करने का आदेश प्रदान किया गया। इस कार्यमुक्ति से पूर्व किसी प्रकार की कोई अनुमति सक्षम अधिकारी या जिला निर्वाचन अधिकारी से ली गई हो वह इस विवादास्पद आदेश में परीलक्षित नहीं होती। जो कि निर्देशक माध्यमिक शिक्षा विभाग के आदेश 12 मार्च 2026 की पूर्ण अवहेलना है।

महात्मा गांधी को आजादी का पूरा श्रेय देना हजारों क्रांतिकारियों का अपमान है : ब्रजभूषण शरण सिंह

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर में आयोजित बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह में शामिल होने पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आजादी की लड़ाई और भारतीय संविधान को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिससे नई बहस छिड़ गई है। उन्होंने साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल गीत का जिक्र करते हुए कहा कि सिर्फ महात्मा गांधी को आजादी का पूरा श्रेय देना उन हजारों क्रांतिकारियों का अपमान है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, बाबू वीर कुंवर सिंह, बिरसा मुंडा और देवी बख्श सिंह जैसे योद्धाओं को याद करते हुए कहा कि इन वीरों को इतिहास में उचित स्थान नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह ने रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनका भी अपराध का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज ने क्रांतिकारियों के योगदान पर मौन रहकर गलती की। संविधान निर्माण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संविधान केवल बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने नहीं बनाया बल्कि संविधान सभा के 242 अन्य विद्वान सदस्यों का भी योगदान था। उन्होंने विशेष रूप से बिहार के सदस्यों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इतिहास को संतुलित नजरिए से देखने की जरूरत है। इसके पूर्व, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और

जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह का शहर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बाबू वीर कुंवर सिंह सामाजिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. राजीव सिंह ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद जीरो माइल चौक स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर बृजभूषण शरण सिंह और धनंजय सिंह ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके शौर्य और बलिदान को नमन किया। माल्यार्पण के बाद दोनों नेता टाउन हॉल पहुंचे जहां आयोजित सभा को संबोधित किया। इस दौरान दोनों मुख्य अतिथियों ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गंगा सप्तमी पर विधि विधान से नमामि गंगे ने किया मां गंगा का दुग्धाभिषेक, उतारी आरती

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा सप्तमी के पावन पर्व पर गुरूवार को गंगा नदी की रक्षा का संकल्प लेकर नमामि गंगे ने दशाश्वमेध घाट पर निर्मलीकरण की कामना से दुग्धाभिषेक किया। गंगा उत्पत्ति दिवस पर मां गंगा की भव्य आरती उतारी गई। इस दौरान गंगा तलहटी की सफाई कर स्वच्छता का आवाह्न किया गया। *रग-रग में गंगा, तब क्यों करें इसे गंदा* नारे के साथ गंगा से जुड़ने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की गई। राष्ट्रीय ध्वज और स्वच्छता स्लोगन लिखीं तख्तियों से नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता को संस्कार के रूप में शामिल करने का संदेश भी दिया। आयोजन में अन्नपूर्णा सामाजिक सेवा समिति की सक्रिय भागीदारी रही। नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने स्वच्छता का संकल्प दिलाते हुए कहा कि हमारे भारत और सनातनी संस्कृति के रग रग में गंगा का वास है। गंगा हमारी आस्था और आजीविका दोनों हैं। गंगा उत्पत्ति दिवस पर हम सभी यह शपथ लें कि न गंगा में गंदगी करेंगे न किसी और को करने देंगे। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे अभियान के सतत प्रयास से गंगा किनारे की स्वच्छता अब दिखाई पड़ती है। हम सभी को नमामि गंगे अभियान से जुड़कर गंगा के संरक्षण में योगदान देना चाहिए। आयोजन में महानगर सहसंयोजक बीना गुप्ता, नीलिमा राय, प्रकाश सिंह, सोहन सिंह, शकुंतला शर्मा आदि ने भागीदारी की। ललिताघाट पर भव्य धार्मिक अनुष्ठान, श्री काशी विश्वनाथ धाम में मां गंगा की आराधना वाराणसी में गंगा सप्तमी के अवसर पर ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के घाट (ललिताघाट) पर मंदिर न्यास की ओर से श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक परंपराओं के अनुरूप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अनुष्ठान की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं आचार्यों के निर्देशन में विधिवत पूजन-अर्चन से हुआ। तत्पश्चात शास्त्रोक्त विधि से मां गंगा का अभिषेक संपन्न किया गया, जिसमें गंगाजल, दुग्ध, पुष्प एवं विविध पूजन सामग्रियों का उपयोग कर श्रद्धापूर्वक आराधना की गई। अभिषेक अनुष्ठान के उपरांत धाम स्थित मंदिर परिसर में विराजमान मां गंगा के विग्रह का भी विधिपूर्वक पूजन एवं आरती संपन्न की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां गंगा एवं भगवान विश्वनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए विश्वकल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। बताया गया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

सात पीडीएस डीलरों का लाइसेंस रद्द, चार से स्पष्टीकरण, 28 पर विधि सम्मत कार्रवाई का आदेश

अररिया (हिंस)। डीएम विनोद दूहन पूरी तरह एक्शन में है। खाद्यान्न वितरण में लापरवाही बरतने वाले डीलर के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है। डीएम विनोद दूहन ने जिले के सात पीडीएस डीलरों का लाइसेंस रद्द कर दिया है। इसके साथ ही चार डीलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रशासन ने, 28 डीलरों पर विधि सम्मत कार्रवाई का आदेश दिया है। अररिया प्रखंड के झमटा पंचायत स्थित पीडीएस डीलर अब्दुल बारी द्वारा जांच के दौरान गोदाम नहीं खोलने पर अनियमितता की आशंका जताते हुए उनकी अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की गई है। वहीं, रामानंद रजक की दुकान पारिवारिक कारणों से बंद पाई गई, जिस पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। सुनिता कुमारी द्वारा पिछले छह माह से वितरण नहीं करने के आरोप में उनकी अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई। चन्द्रदेई पंचायत के डीलर हेमंत कुमार द्वारा चाबी का बहाना बनाकर गोदाम नहीं खोला गया, इनका भी अनुज्ञप्ति रद्द किया गया है। इसी पंचायत के एक अन्य डीलर हेमंत कुमार द्वारा छह माह से वितरण नहीं करने के आरोप में अनुज्ञप्ति रद्द कर दिया गया है। रानीगंज प्रखंड के बसैठी पंचायत में अयोध्या राम के यहां पॉश मशीन और गोदाम के स्टॉक में अंतर पाए जाने तथा गोदाम लगभग खाली मिलने पर अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई। इसी पंचायत के सोचन राम के यहां भी खाद्यान्न में भिन्नता पाई गई, जिस पर कार्रवाई करते हुए अनुज्ञप्ति रद्द कर दिया गया है बसैठी पंचायत के सुर्यानंद पासवान द्वारा पॉश मशीन की पर्ची नहीं देने के कारण स्टॉक का वास्तविक मिलान नहीं किया जा सका। वहीं, खरहट पंचायत के शंकर कुमार मंडल के यहां पॉश मशीन में दर्ज 598.2 किलोग्राम खाद्यान्न भौतिक रूप से गोदाम में नहीं मिलने पर उनकी अनुज्ञप्ति भी रद्द कर दी गई। फारबिसगंज प्रखंड

के पोठिया पंचायत में राजानंद यादव के खिलाफ लाभुक द्वारा कम मात्रा में खाद्यान्न देने की शिकायत पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, पोठिया पंचायत के मो. तालिब नजामी के खिलाफ भी इसी प्रकार की शिकायत मिलने पर उनसे जवाब-तलब किया गया है। कुर्साकांटा प्रखंड के पीडीएस डीलर राजेश भगत, लैलोखर, धिरेन्द्र कुमार सदा, लैलोखर, विनेश प्रसाद सिंह, लैलोखर, मिथलेश कुमार भगत कुआड़ी, ओम नाथ पासवान, लाल पासवान की दुकान बंद एवं देवी लाल साह कुआड़ी का ई-पॉश मशीन का उपयोग नहीं नहीं करते हुए पाया गया। अररिया प्रखंड के पीडीएस डीलर मो. सादीक पोखरिया का दुकान बंद पाया गया और ईलाज के लिए दिल्ली अवकाश सूचना दी गई पर, जो सूचना पट्ट पर अंकित नहीं पाया गया। मो. मुस्लीम रामपुर मोहनपुर पूर्वी, बीबी जेबा खातुन, रामपुर मोहनपुर पूर्वी का भी दुकान बंद पाया गया। सिकटी प्रखंड के पीडीएस डीलर नौसाद अली, खोरागाछ, संजय पासवान, खोरागाछ, सुनिता देवी आमगाछी, रंजू देवी मजरख, शिव प्रसाद राय, विजय पासवान का दुकान बंद एवं भुवनेश्वर पासवान मजरख का पॉस की मात्रा एवं वास्तविक मात्रा में असमानता पाई गई। पलासी प्रखंड के पीडीएस डीलर फागु लाल मांझी बलुआ कलियागंज, हरि प्रसाद साह, बलुआ कलियागंज, रामानन्द पासवान केसर्रा का दुकान बंद, बिन्देश्वरी पासवान केसर्रा द्वारा बताया गया कि राज्य खाद्य निगम गोदाम से 04 बोरी अनाज कम दिया गया है।

रियल एस्टेट में रिकार्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डालर निवेश

नई दिल्ली

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकार्ड 5.1 अरब डालर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डालर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है।

72 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2026 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उछाल

रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डालर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अधिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण आफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

न्यूज ब्रीफ

चीनी निर्यातकों को मिलेगा राडटेप का लाभः बाम्बे हाई कोर्ट, न्यायालय ने सरकारी एजेंसियों की असंगत मुकदमेबाजी पर भी जताई चिंता

मुंबई। बाम्बे उच्च न्यायालय ने निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि जिन चीनी निर्यातकों को सरकार की विशेष अनुमति और आवंटित कोटे के तहत चीनी निर्यात करने की इजाजत मिली थी, वे प्रतिबंधित श्रेणी में होने के बावजूद निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी (रोडटेप) योजना का लाभ प्राप्त करते रहेंगे। यह फैसला विनियमित जिंसों के निर्यातकों के लिए एक नजीर बन सकता है। न्यायालय ने 20 अप्रैल को एक संयुक्त फैसले में रिका ग्लोबल इम्पैक्स, श्री रेणुका शुगर्स सहित प्रमुख चीनी निर्यातकों द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। अदालत ने राजस्व विभाग द्वारा रोडटेप लाभों से इनकार को मनमाना करार दिया। रोडटेप एक सरकारी योजना है जो निर्यात की गई वस्तुओं पर लगे अप्रत्यक्ष शुल्कों और करों को वापस करती है, जिससे भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। दरअसल, सरकार ने मई 2022 में चीनी के निर्यात को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया था, ताकि देश में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और कीमतें स्थिर रहें। हालांकि, उसी अधिसूचना में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग से विशेष अनुमति के साथ निर्यात की अनुमति भी दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इन्हीं अनुमतियों के तहत निर्यात किया था, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने यह कहते हुए लाभ देने से मना कर दिया कि चीनी एक प्रतिबंधित वस्तु है। अदालत ने केंद्र सरकार की विभिन्न उच्च न्यायालयों में अपनाई जा रही असंगत मुकदमेबाजी की रणनीति पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। इसने न्यायिक अराजकता जैसी स्थिति से बचने के लिए केंद्रीय व्यापार एवं कर कानूनों में एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु एक स्पष्ट राष्ट्रीय मुकदमा नीति की आवश्यकता पर बल दिया।

बेस्ट-सेलिंग माडल बनकर उभरी महिंद्रा स्कार्पियो

नई दिल्ली। वित्त वर्ष (एफवाई 2026) में महिंद्रा स्कार्पियो कंपनी की बेस्ट-सेलिंग माडल बनकर उभरी। महिंद्रा स्कार्पियो को इस दौरान कुल 1,78,800 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाते हैं। ठीक एक साल पहले इसी दौरान यह आंकड़ा 1,64,842 यूनिट था। स्कार्पियो की यह लगातार सफलता महिंद्रा के मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो को रेखांकित करती है। बिक्री की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर महिंद्रा थार रही, जिसने इस दौरान 49 प्रतिशत की शानदार सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 1,26,261 यूनिट्स की बिक्री की। तीसरे नंबर पर महिंद्रा बोलेरो ने अपनी जगह बनाई, जिसकी 1,10,136 यूनिट्स बिकीं और इसने 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, चौथे नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ रही, जिसने 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कुल 1,03,341 यूनिट्स की बिक्री की। जहां कुछ माडलों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, वहीं महिंद्रा एक्सयूवी 700 की बिक्री में गिरावट देखी गई।

हुंडई वेन्यू का नया नाइट एडिशन लांच

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का नाइट एडिशन हुंडई मोटर्स ने लान्च कर दिया है। यह नया माडल रुपए 9.69 लाख की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। यह माडल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो अपनी गाडी में एक आक्रामक और विशिष्ट लुक पसंद करते हैं। हुंडई के नाइट ब्रांड का भारत में पहले से ही मजबूत आधार है, जिसने 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से अब तक 92,000 से अधिक नाइट एडिशन वाहनों की बिक्री की है, जो इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। नई वेन्यू नाइट एडिशन पूरी तरह से ब्लैक थीम पर आधारित है। इसके सामने वाले हिस्से में चमकदार ब्लैक ग्रिल और मैट ब्लैक फिनिश वाला हुंडई का लोगो दिया गया है। साइड प्रोफाइल को स्पोर्टी लुक देने के लिए काले रंग के ओआरवीएम, रूफ रेल्स और डार्क अलाय व्हील्स का उपयोग किया गया है। पहियों के पीछे दिखने वाले लाल रंग के ब्रेक कैलीपर्स और कार पर लगी खास नाइट बैजिंग इसे मानक वेन्यू से बिल्कुल अलग और प्रीमियम लुक देती है। केबिन में भी ब्लैक थीम है, जिसे पीतल जैसे दिखने वाले इंसर्ट्स से निखारा गया है। सीटों के लिए विशेष फैब्रिक और कवर डिजाइन किए गए हैं जो केवल इसी एडिशन में मिलेंगे।

इलेक्ट्रिक कार एमजी विंडसर का नया एमजी विंडसर कम्यूट, लान्च

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार एमजी विंडसर का जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एक नया संस्करण, एमजी विंडसर कम्यूट, लान्च किया है। यह माडल खास तौर पर टैक्सी और फ्लीट आपरेटर्स के लिए डिजाइन किया गया है। कम्यूट का मुख्य उद्देश्य कमर्शियल उपयोग को ध्यान में रखते हुए किफायती आपरेटिंग कास्ट और बेहतर परफार्मेंस प्रदान करना है, जिससे यह टैक्सी सर्विस और कैब आपरेटर्स के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाता है। एमजी कम्यूट का डिज़ाइन मूल विंडसर ईवी से काफी मिलता-जुलता है, जो एक माडर्न सीयूवी लुक प्रदान करता है। हालांकि, टैक्सी संस्करण में कुछ कास्मेटिक बदलाव किए गए हैं जैसे ब्लैक स्टील व्हील्स और कनेक्टेड रियर एलईडी लाइट बार को हटा दिया गया है, जिससे मेंटेनेंस आसान और लागत कम रहती है। 4295एमएम लंबाई और 2700एमएम के लंबे व्हीलबेस के साथ, इसका केबिन काफी स्पेशियस है। कम्यूट का इंटीरियर विंडसर ईवी की तरह पैसेंजर-फ्रेंडली है, खासकर रियर सीट पैसेंजर्स के लिए।

इसमें 135 डिग्री तक रिक्लाइन करने वाली एयरो-लाउंज रियर सीट्स हैं, जो लंबी टैक्सी यात्राओं में आराम प्रदान करती हैं, साथ ही रियर एसी वेंट्स भी मिलते हैं। हालांकि, कुछ प्रीमियम फीचर्स जैसे बड़ा टचस्क्रीन या स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स को हटाया गया है, लेकिन बेसिक कम्फर्ट और जरूरतें पूरी होती हैं। बैटरी और मोटर की बात करें तो, कम्यूट में स्टैंडर्ड विंडसर एक्साइट जैसी 37.9 किलोवाट-घंटे की एलएफपी बैटरी पैक है, जो फ्रंट व्हील ड्राइव सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर से जुड़ी है। यह मोटर 136 पीएस पावर और 200 एनएम टार्क जनरेट करती है। इसकी एआरएआई क्लेम्ड रेंज 332 किलोमीटर है, जबकि वास्तविक दुनिया की स्थितियों में यह 200-250 किलोमीटर आसानी से मिल सकती है। चार्जिंग के लिए इसमें 3.2 किलोवाट एसी चार्जर और 45 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट है।

सेफ्टी में कोई समझौता नहीं किया गया है, इसमें 6 एयरबैग्स (डुअल फ्रंट, साइड और कर्टेन), आल डिस्क ब्रेक्स, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, इलेक्ट्रानिक पार्किंग ब्रेक और टीपीएमएस जैसे जरूरी फीचर्स स्टैंडर्ड हैं, जो टैक्सी सर्विस के हिसाब से काफी बेहतर हैं।

एफवाई-2026 में महिंद्रा बीई 6 को मिले कुल 16,313 नए ग्राहक

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष (एफवाई2026) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिंद्रा की इलेक्ट्रिक कार महिंद्रा बीई 6 ने डिमांड के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया। एफवाई 2026 में महिंद्रा बीई 6 को कुल 16,313 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 521 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि है। एक साल पहले यह आंकड़ा सिर्फ 2,625 यूनिट था। बीई 6 की सबसे बड़ी खासियत इसका स्पोर्टी कूपे डिजाइन है, जो किसी कान्सेप्ट कार जैसा दिखता है। इसमें सामने सी-शेप वाले एलईडी डीआरएलएस और बोल्ड बाडी लाइन्स दी गई हैं, जबकि इसकी ढलान वाली छत और बड़े 19-इंच के अलाय व्हील्स इसे एक प्रीमियम कूपे एसयूवी का अहसास कराते हैं। मार्केट में इस ईवी की एक्स-शोरूम कीमत 18.90 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा ने इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में दो बैटरी पैक के आप्शन दिए हैं। पहला 59 किलोवाट-घंटेकी बैटरी है जो लगभग 557 किलोमीटर की रेंज देती है, जबकि दूसरा 79 किलोवाट-घंटे का बड़ा बैटरी पैक एक बार फुल चार्ज होने पर 683 किलोमीटर (एआरएआई) तक की रेंज दे सकता है। डीसी फास्ट चार्जर की मदद से इसकी बैटरी को मात्र 20 मिनट में 20 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। यह शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.7 सेकंड में पकड़ लेती है।कार में 12.3-इंच की दो बड़ी स्क्रीन दी गई हैं, जो एलेक्सा और चैटजीपीटी जैसे स्मार्ट फीचर्स के साथ आती हैं। म्यूजिक लवर्स के लिए इसमें 16-स्पीकर वाला हरमन कार्डन का साउंड सिस्टम मिलता है। फीचर्स के मामले में महिंद्रा ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। सेफ्टी के लिए इसे भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार रेटिंग मिली है। इसमें स्टैंडर्ड के तौर पर 6-एयरबैग्स, लेवल-2 एडैस और 360-डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे बेहद सुरक्षित बनाते हैं।

आनलाइन गेमिंग कंपनियों पर कड़े नियम 1 मई से लागू होंगे

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आनलाइन गेमिंग क्षेत्र को विनियमित करने और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने और विनियमित करने का अधिनियम, 2025 के तहत नए प्रशासनिक नियमों को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम 1 मई से पूरे भारत में प्रभावी हो जाएंगे। इसके तहत अब सभी गेमिंग कंपनियों को अपने उपयोगकर्ताओं को वित्तीय, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सुरक्षा-संबंधी या सामग्री-संबंधी किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू करना अनिवार्य होगा। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी इन व्यापक नियमों का उद्देश्य जिम्मेदार आनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना, खिलाड़ियों के लिए निश्चित विकल्प देना और आनलाइन गेमिंग की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इसके लिए प्रक्रियाओं, संचालन, व्यवहार और प्रणाली संबंधी सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया गया है। इन नियमों के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए भारत में एक छह सदस्यीय आनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का भी गठन किया गया है। इस प्राधिकरण की अध्यक्षता आईटी मंत्रालय के एक अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी करेंगे। गृह मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय और विधि विभाग के संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारी इसमें पदेन सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। नए नियमों के अनुसार, सभी प्रकार के ई-स्पोर्ट्स को अनिवार्य रूप से प्राधिकरण के साथ पंजीकृत कराना होगा। हालांकि, किन अन्य खेलों या गेमिंग कंपनियों को प्राधिकरण के साथ पंजीकरण करने की आवश्यकता होगी, इसका निर्धारण अभी किया जाना बाकी है। इसके अतिरिक्त, भारत में खेल या कोई अन्य संबंधित सेवाएं प्रदान करने वाली सभी गेमिंग कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे खिलाड़ी की शिकायतों के समाधान के लिए एक सक्रिय शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें और उसे लगातार संचालित करते रहें।

कंपनियों के लिए शिकायत निवारण तंत्र अनिवार्य

तोशीबो ने भारत में लान्च की फ्रंट-फायरिंग स्पीकर्स वाली नई मिनीएलईडी टीवी सीरीज

नई दिल्ली। तोशीबो ने भारत में अपनी नई जेड670एसपी मिनीएलईडी टीवी सीरीज लान्च की है, जो घर पर शानदार पिक्चर क्वालिटी और दमदार साउंड का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। यह कंपनी का पहला मिनीएलईडी टीवी है जिसमें फ्रंट-फायरिंग स्पीकर्स दिए गए हैं। यह नई टीवी सीरीज खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो अपने होम एंटरटेनमेंट अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। यह सीरीज 55 इंच, 65 इंच, 75 इंच, 85 इंच और 100 इंच जैसे पांच अलग-अलग स्क्रीन साइज में उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती कीमत लगभग 64,990 रखी गई है। इस टीवी की सबसे बड़ी खासियत इसका मिनीएलईडी डिस्प्ले है, जो बेहतर ब्राइटनेस कंट्रोल, गहरे ब्लैक कलर और शानदार कान्ट्रास्ट सुनिश्चित करता है, जिससे फिल्में, वेब सीरीज और लाइव स्पोर्ट्स देखने का अनुभव काफी बेहतर हो जाता है। टीवी में तोशीबो का रेग्ज़ा इंजन जेडआरआई दिया गया है, जो कंटेंट को बेहतर क्वालिटी में अपस्केल करता है और स्मूद विजुअल्स देता है। साथ ही, 144एचजेड का नेटिव रिफ्रेश रेट तेज मूवमेंट वाले वीडियो, गेमिंग और स्पोर्ट्स कंटेंट में मोशन ब्लर को कम करता है। गेमिंग पसंद करने वालों के लिए इसमें गेम मोड प्रो भी शामिल है, जो लेटेंसी कम कर गेमिंग अनुभव को सुचारु बनाता है।

सोने की चमक पड़ी फीकी, चांदी भी हुई नरम

सोना 22 कैरेट 1.40 लाख के पार, चांदी2,44,159 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

देश में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। गुरुवार 23 अप्रैल को लगातार दूसरे दिन पीली धातु सस्ती हुई, जिससे निवेशकों और खरीदारों दोनों के लिए कुछ राहत मिली है। राजधानी दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 10 रुपये प्रति 10 ग्राम घटकर 1,41,990 रुपये पर आ गया है, जबकि मुंबई में यह 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया।

इस गिरावट के पीछे वैश्विक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। वहीं प्रतिभागियों के अपने दांव घटाने से चांदी की वायदा कीमत गुरुवार को 4,205 रुपये टूटकर 2,44,159 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंध का भाव 4,205 रुपये की गिरावट के साथ 2,44,159 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 1,281 लाट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने बताया कि प्रतिभागियों की बिकवाली से मुख्य रूप से चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। गुरुवार को 22 कैरेट सोना ही नहीं, बल्कि 24 कैरेट और 18 कैरेट वाले सोने की कीमतों में भी 10-10 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी दर्ज की गई है। गौरतलब है कि एक दिन पहले 22 अप्रैल को दिल्ली के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 300 रुपये टूटकर करीब 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोना 4,742.97 डालर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक दबाव को दर्शाता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक तनाव का असर सोने की कीमतों पर साफ दिख रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम की दूसरे दौर की बातचीत सफल न होने से भू-राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष विराम की अवधि बढ़ा दी है, पर कोई ठोस प्रगति न होने से डालर और कच्चे तेल को मजबूती मिली है, जबकि सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।

शेयर बाजार में डिविडेंड की धूम, दिग्गज कंपनियों ने खोली तिजोरियां

नई दिल्ली

शेयर बाजार में इस समय डिविडेंड सीजन अपने चरम पर है, जहां दिग्गज कंपनियों ने अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न देने की तैयारी कर ली है। बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और खुदरा जैसे प्रमुख क्षेत्रों की कई बड़ी कंपनियों ने अपने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड की घोषणा की है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ, ट्रेंट, टाटा एल्क्सी, टाटा कम्युनिकेशंस और एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भी अलग-अलग तरह के डिविडेंड का ऐलान किया है, जिससे निवेशकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बाजार में डिविडेंड का मौसम निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आया है।

कई बड़ी कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को मुनाफे में हिस्सेदारी देने का ऐलान किया है। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी ने 1 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 13 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। बैंक ने बताया कि पूरे साल के लिए कुल डिविडेंड 15.50 रुपये प्रति शेयर होगा।

इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 19 जून 2026 तय की गई है। आईसीआईसीआई बैंक ने 2 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 12 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड का ऐलान किया है, जो आगामी एजीएक में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद दिया जाएगा। इस डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट अभी घोषित नहीं की गई है। वहीं आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 1 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 31 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी के अनुसार, यह डिविडेंड एजीएम में मंजूरी मिलने के बाद तीसरे दिन भुगतान किया जाएगा। इसकी रिकॉर्ड डेट जल्द ही घोषित होगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 2 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 24 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है।

इस डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट का ऐलान अभी बाकी है। टाटा समूह की खुदरा कंपनी ट्रेंट ने अपने निवेशकों के लिए 600 प्रतिशत डिविडेंड की सिफारिश की है, टाटा एल्क्सी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 75 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने की सिफारिश की है। टाटा कम्युनिकेशंस ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 17.50 रुपये का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने 2 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 40 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। इन सभी कंपनियों के डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा जल्द होने की उम्मीद है, जिससे निवेशक अपनी स्थिति का आकलन कर सकें।

जेएफएसएल और आलियांज ने सामान्य-स्वास्थ्य बीमा जेवी के लिए समझौता किया

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की वित्तीय सेवा कंपनी जियो फाइनैंशियल सर्विसेज (जेएफएसएल) और जर्मनी की प्रमुख बीमा कंपनी आलियांज ग्रुप ने भारत के तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए बुधवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दोनों कंपनियों ने सामान्य और स्वास्थ्य बीमा के लिए 50:50 का संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने हेतु एक बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भारत के विशाल उपभोक्ता आधार को किफायती और सुलभ बीमा समाधान प्रदान करने के जेएफएसएल के दृष्टिकोण का हिस्सा है। यह संयुक्त उद्यम आवश्यक सांविधिक और नियामक स्वीकृतियां मिलने के बाद अपना परिचालन शुरू करेगा। इसके साथ ही, जेएफएसएल और आलियांज भारत में जीवन बीमा कारोबार के लिए भी एक अलग बाध्यकारी समझौते पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस व्यापक साझेदारी की चर्चाएं पहली बार जुलाई 2025 में सामने आई थीं, जो अब सामान्य और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में औपचारिक रूप ले रही हैं। गौरतलब है कि दोनों कंपनियों ने पुनर्बीमा क्षेत्र में पहले ही कदम बढ़ा दिया है। उनका 50:50 संयुक्त उद्यम, आलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से अंतिम नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद मार्च 2026 से भारत में सफलतापूर्वक परिचालन कर रहा है।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस अय्यर

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी आलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

आर्चर रायल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रायल्स के गेंदबाज बन गये हैं। आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रायल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब आचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं। ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं। इससे पहले उन्होंने राजस्थान रायल्स के लिए मैच खेले थे। रायल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं। साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेल द11 था। वहीं आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर शेन वाटसन ने राजस्थान रायल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं। वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रायल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रायल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर

रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है। वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं। उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे। उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है। इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए। मेरा भी यही लक्ष्य है। अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है। कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद

की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं। पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की। पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है। उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया। वह शतक बनाना आसान बना देते हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

आल इंडिया जूनियर टेनिस : अद्वीथ, रेयांश, दीविना व लावण्या अंतिम चार में, मेजबान खिलाड़ियों का दबदबा

क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाए तेवर, महाराष्ट्र और गुजरात की चुनौती भी बरकरार

इंदौर

मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब पर आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को मेजबान मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर बालक वर्ग में अद्वीथ भार्गव, रेयांश पटेल और बालिका वर्ग में दीविना धूपर व लावण्या शर्मा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अंडर-12 बालक एकल क्वार्टर फाइनल में मध्यप्रदेश के अद्वीथ भार्गव ने गुजरात के सान्या अग्रिया को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में रेयांश पटेल ने अपनी लय बरकरार रखते हुए हमवतन समन्यु शुक्ला को 6-3, 6-0 से बाहर का रास्ता दिखाया। ओजस मिश्रा ने भी अर्जुन बिंद्रा को 6-1, 6-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। हालांकि, अक्षज कुमार को महाराष्ट्र के विहान देवधर से कड़े संघर्ष के बाद 4-6, 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। अंडर-12 बालिका एकल में दीविना धूपर ने इरा सिंह के खिलाफ पहले सेट में कड़े प्रतिरोध के बाद 7-5, 6-0 से जीत दर्ज की। लावण्या शर्मा ने एकतरफा मुकाबले में सायेशा दशोरा को 6-0, 6-2 से पराजित किया। प्रिशा शर्मा ने एडीवा धाकड़ को 6-3, 6-0 से हराया, जबकि गुजरात की अरना खत्री ने अयाना पटवारी को 6-1, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। अंडर-12 बालक युगल वर्ग में अयांश संवत्सर और अर्जुन बिंद्रा की जोड़ी ने सान्या व सवीर अग्रिया को 3-6, 6-2, 11-9 के कड़े अंतर से हराकर उलटफेर किया। विहान देवधर और कियान बंसल की जोड़ी ने मानवीर सिंह व समन्यु शुक्ला को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। बालिका युगल में दीविना धूपर और साम्भवी सिंह की जोड़ी ने अनाया व वेदांशी को 6-0, 6-0 से हराकर अपना दबदबा साबित किया। आदिवा धाकड़ और रीत सोनी की जोड़ी ने भी लावण्या व जीविका को टाइब्रेकर में 6-3, 1-6, 10-5 से शिकस्त दी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नया विवादः राजनीति की एंट्री! ईरान की जगह इटली को खिलाने की मांग; क्या कहते हैं नियम

न्यूयार्क। फीफा विश्व कप 2026 से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूत ने सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। इस प्रस्ताव ने फुटबाल के सबसे बड़े मंच पर राजनीति की एंट्री को लेकर बहस तेज कर दी है। दूत ने खुद किया प्रस्ताव का खुलासा ट्रंप के विशेष दूत पाओलो जाम्पोली ने इस सुझाव की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव उन्होंने जियानी इन्फैन्टिनो के सामने रखा। उन्होंने कहा, मैं पुष्टि करता हूं कि मैंने ट्रंप और (फीफा अध्यक्ष गियानी) इन्फैन्टिनो से सुझाव दिया कि वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में अज्जूरी को देखना मेरा सपना है। चार खिताब के साथ उनके पास शामिल होने का मजबूत आधार है। इटली की गैरमौजूदगी भी बनी चर्चा चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली इस बार क्वालिफाई नहीं कर पाई, जो फुटबाल जगत के लिए बड़ा झटका रहा। लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर रहना इटली जैसी बड़ी टीम के लिए चौंकाने वाला है। इसी वजह से यह प्रस्ताव और भी ज्यादा चर्चा में आ गया है। क्या ईरान खेलेगा वर्ल्ड कप फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा बना हुआ है। टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है और उसके ग्रुप मैच अमेरिका में होने तय हैं। हालांकि, पहले ईरान ने यात्रा और राजनीतिक तनाव को देखते हुए अपने मैच दूसरे देश में कराने की मांग की थी, लेकिन फीफा ने अब तक शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है। क्या नियमों के तहत संभव है बदलाव फीफा के नियमों के मुताबिक, अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होती। आमतौर पर उसी महाद्वीप (कानफेडरेशन) की टीम को मौका दिया जाता है। ऐसे में अगर ईरान बाहर होता भी है, तो एशियाई टीम को प्राथमिकता मिलने की संभावना ज्यादा है। इस वजह से इटली का शामिल होना फिलहाल बेहद मुश्किल माना जा रहा है। अभी सिर्फ सुझाव, फैसला बाकी यह प्रस्ताव अभी केवल एक सुझाव है और इस पर फीफा की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वोल्वाइ्ट के शतक से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

जोहानसबर्ग

कप्तान लौरा वोल्वाइ्ट के शानदार शतक 115 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम 3-0 से सीरीज में आगे हो गयी है।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतकों से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। मेजबान गेंदबाज नाकुललुको मलाबा ने 2 विकेट जबकि दिन डी क्लार्क ने एक विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 16.3 ओवर में ही 1 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान लौरा वोल्वाइ्ट

3-0 से सीरीज में बढ़त हासिल की

ने 14 चौके और 5 छक्के लगाकर 115 रन बनाये। इसके अलावा सुने लुस ने भी 64 रनों की पारी खेली। वही जात ब्रिट्स ने 2 बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से एकमात्र विकेट श्रेयंका पाटिल ने लिया।

वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की ओर हरमनप्रीत ने 38 गेंद में 66 रन जबकि शेफाली वर्मा ने 46 गेंद में 64 रन बनाये। इसके अलावा स्मृति मंधाना ने 25 गेंद में 37 रन जबकि ऋचा घोष ने 18 रन बनाये। , जबकि जेमिमा रोड्रिगेज पहली गेंद पर गोल्डन डक हो गई. गेंदबाजी की बात करें तो साउथ अफ्रीका की तरफ से नाकुललुको मलाबा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा नादिन डी क्लार्क के खाते में भी एक विकेट आया. इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम भारत को 200 रन के भीतर समेटने में सफल रही।

हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्वाएथलॉन इवेंट

चीन के हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्वाएथलॉन इवेंट में भाग लेते हुए एथलीट।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्राफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें। टेस्ट और वनडे सीरीज के बीच बेहद कम समय होने के कारण खिलाड़ियों को बार-बार फार्मेट बदलना पड़ेगा, जो उनकी फिटनेस के लिए चुनौती बन सकता है। कप्तान और कोच पहले भी इस तरह के व्यस्त शेड्यूल पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, और ऐसे में खिलाड़ियों के आराम का फैसला उन्हीं की सलाह पर आधारित हो सकता है।भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी

ईशान को ही कप्तान बनाये रखे सनराइजर्स : संजय बांगड़

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम शुरुआती झटकों के बाद लगातार तीन जीत के साथ ही अंकतालिका में भी शीर्ष पांच में है। ऐसे में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी के बाद भी ईशान को ही कप्तान बनाये रखा जाना चाहिये।

ईशान ने अब तक 7 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उन्होंने 4 मैच जिताये हैं जिससे टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। कप्तानी के बाद भी ईशान पर कोई दबाव नहीं आया है और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं जिससे वह आरेंज कप की दौड़ में भी शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। बांगर ने कहा, एक नेता के तौर पर ईशान अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में तकनीकी रूप से बहुत अच्छे हैं। वह समझते हैं कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह साफ दिखाता है कि वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं।

बांगड़ ने कहा, वह एक जगह स्थिर नहीं दिखते, जल्दबाजी में नहीं दिखते, मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ अपने स्पिनर्स का शानदार इस्तेमाल किया। इसलिए मेरा मानना है कि अगर कमिंस वापस भी आते हैं, तो भी ईशान को एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए क्योंक ज्यादातर मामलों में, एक भारतीय कप्तान होने से निरंतरता आती है।

उन्होंने कहा कि कमिंस आईपीएल 2026 के बचे हुए मैचों में कितना फिट रहेंगे अभी ये कहा नहीं जा सकता है। वह छोटी-मोटी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में ईशान का ही कमान संभाले रखना सही रहेगा। बार-बार बदलाव से भी संशय बनता है।

ईशान ने कप्तानी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी 7 मैचों की 7 पारियों में वह 34 की औसत और 188.89 की स्ट्राइक रेट से 238 रन बनाये हैं। ऐसे में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उनकी सफलता को देखते हुए ही उन्हें कप्तान बनाये रखना सही फैसला होगा।

दिल्ली की गलतियां अहमदाबाद में नहीं दोहराई जाएंगीः 2030 सीएनजी की आयोजन कंपनी में नहीं होंगे आईओए के पदाधिकारी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में होने वाले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में विवादों से बचने के लिए मेजबान गुजरात सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) फूंक-फूंककर कदम रखने जा हैं। आयोजक ऐसी गलतियां नहीं दोहराना चाहते हैं जो 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में विश्वव्यापी किरकिरी का कारण बनी थीं। जिसके चलते 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की आयोजन कंपनी (ओसी) में आईओए के शीर्ष पदाधिकारियों को शामिल नहीं किए जाने की तैयारी कर ली गई है। ओसी में आईओए पदाधिकारियों की बजाय सीईओ, सीओओ और सीएफओ जैसे पदों पर विशुद्ध पेशेवर विशेषज्ञों को रखा जाएगा। 2010 के खेलों में आयोजन समिति के चेयरमैन तत्कालीन आईओए अध्यक्ष सुरेश कलमाडी थे। इसमें ज्यादातर पदाधिकारी आईओए से ही संबद्ध थे। 2030 के खेलों के आयोजन की निगरानी का मुख्य जिम्मा मंत्रियों के समूह (ग्रुप आफ मिनिस्टर्स) और उससे नीचे खेलों के निदेशक मंडल (बोर्ड आफ डायरेक्टर्स) का होगा। ये दोनों ग्रुप, ओसी के साथ मिलकर काम करेंगे।

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढ़ने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं। जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रॉनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

कारण बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढ़ना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है। डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रॉनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रॉनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।
मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है। संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टॉयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव

कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रॉनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।
- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते। सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर? : हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है।

डांस थेरेपी
नाचें और स्वस्थ रहें

नृत्य का अब मनोरंजन के प्राचीन माध्यम से चिकित्सा के अत्याधुनिक औजार तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगा है। डांस थेरेपी की शुरुआत बेशक कुछ दशकों पुरानी हो चुकी है, लेकिन इधर के वर्षों में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है और शारीरिक तथा मानसिक रोग निवारण में इसकी खुराक अचूक रही है।

जिम के साथ डांस क्लास

देश में डांस थेरेपी की छोटे बड़े दर्जनों संस्थान संचालित हैं, जिसमें पंजीकरण कराने वालों में 23 से 45 वर्ष के युवावर्ग की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। व्यायाम में डांस थेरेपी का दखल एरोबिक एक्सरसाइज के साथ बढ़ा, जिसमें केवल वेस्टर्न ध्वनि पर शरीर की अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने को ही डांस थेरेपी का हिस्सा माना जाता था, लेकिन संगठित जिम संचालन की तरह ही अब डांस थेरेपी का क्षेत्र भी व्यापक हो गया है।

कुछ प्रचलित डांस विधियां

रूंबा मांसपेशियों का बेहतर सामंजस्य और मस्तिष्क की एकाग्रता के लिए रूंबा डांस कारगर माना गया है। साधारण व्यायाम से डांस थेरेपी की शुरुआत करने के बाद रूंबा की नियमित 20 से 30 मिनट की ट्रेनिंग फुर्तिला बनाती है, जिसे बैन बोन और कॉलर बोन के दर्द के लिए भी कारगर माना गया है।

क्या हैं डांस के सीधे फायदे

कार्डियोवस्कुलर समस्याओं को दूर रखने के लिए डांस को बेहतर माना गया है, जिससे न सिर्फ कैलोरी बर्न होती है, बल्कि रक्तप्रवाह सही रहने से हार्ट अटैक की संभावना को दूर किया जा सकता है। बैले व सालसा डांस आत्मविश्वास बढ़ाता है, मस्तिष्क की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए भी डांस थेरेपी को सबसे सटीक माना गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित डांस अभ्यास से नकारात्मक विचारों को दूर किया जा सकता है। डांस के साथ योग व आसान का प्रयोग स्वस्थ रहने का सबसे कारगर तरीका है। नियमित व्यायाम की अपेक्षा डांस को वजन कम करने का अधिक बेहतर उपाय माना गया है। डांस थेरेपी व्यायाम का अधिक रुचिकर विकल्प बनकर उभरा है, जिससे वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है।

स्वास्थ्य संस्थानों में भी बढ़ा दखल

जाने माने स्वास्थ्य संस्थानों के पुनर्निवास केन्द्र में डांस मूवमेंट थेरेपी डीएमटी का प्रयोग शुरू कर दिया गया है। इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर में वैकल्पिक चिकित्सा विधि के तहत मरीजों की डांस क्लास लगाई जाती है। फिजियोथेरेपिस्ट के सान्निध्य में मरीजों को शुरु में मामूली स्टेप सिखाए जाते हैं, जिसके बाद मांसपेशियों में खिंचाव व दोबारा मूवमेंट शुरू करने के लिए तीन से चार सप्ताह की क्लास लगाई जाती है। पार्किन्सन व सीएचडी बीमारियों के लिए डांस थेरेपी का चिकित्सीय प्रयोग शुरू किया जा चुका है।

जीवा: बोन डेन्सिटी को मजबूत करने के लिए जीवा की अहम भूमिका है। कार्डियोवस्कुलर समस्या को भी जीवा के जरिए ही दूर किया जाता है। देखा गया है कि श्वसन तंत्र संबंधी परेशानियां भी जीवा के नियमित अभ्यास से ठीक हो जाती हैं।

सांबा: कूल्हे की समस्याओं के निजात के लिए सांबा को किसी एक पार्टनर के साथ किया जाता है। पेलविस और पैरों की मांसपेशियों की दिक्कतों के लिए भी सांबा का प्रयोग बेहतर माना गया है।

पास्को डोबल: पास्को सिंगापुर का सबसे प्रसिद्ध डांस स्टेप है, जिसे रशियन संगीत के साथ किया जाता है। पास्को के लिए वजन का नियंत्रित होना जरूरी है। कैलोरी बर्न करने और शरीर की टोनिंग के लिए पास्को से बेहतर और कोई डांस स्टेप नहीं हो सकता।

सालसा: तनाव मुक्ति के लिए सालसा को सबसे सटीक माना गया है। डांस विशेषज्ञ की मानें तो 70 फीसदी युवा सालसा को तनाव दूर करने व आत्मविश्वास करने के लिए करते हैं, जिसके सफल परिणाम भी देखे गए हैं।

नोट इसके अलावा, वाल्ट्ज, फॉक्स ट्रॉट, क्रिक, टैंगो, वाइनेक्स और बैल्बो जैसे पश्चिमी नृत्य स्वस्थ रहने की कुंजी माने जाने लगे हैं।

हाई हील से सेहत का कचूमर

कॉरपोरेट दुनिया हो या स्कूल कॉलेज की, पार्टी या फिर रैंप पर चलने की बात हो, पहनावे में हाई हील के जूते या सैंडल पहनना आम बात है। इन्हें पहन कर लगता है कि उनका आत्मविश्वास बढ़ गया है। चाल तो बदलेगी ही, लेकिन उन्हें पहन कर लटक-मटक के साथ चलने के लिए उन्हें क्या-क्या दांव पर लगाना पड़ता है, इसका अंदाजा पहले नहीं हो पाता। बाद में जब पैरों से लेकर रीढ़ की हड्डी तक में दर्द की शिकायत होने लगती है तो पता चलता है कि यह फैशन बड़ा ही दुखदायी है। चाल व शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है।

आजकल की किशोरियों में यह खतरा अधिक माना जाता है क्योंकि वे छोटी आयु से ही ऊंची एड़ी के जूते पहनने लगती हैं। बड़े होने पर उन्हें कूल्हों का दर्द से लेकर कमर दर्द का जोखिम अधिक रहता है क्योंकि किशोरावास्था में उनकी मेरुदंड पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

इससे मोच की समस्या आम तौर पर हो जाती है क्योंकि एड़ी उठा कर चलना कोई आसान काम नहीं है। परिणामस्वरूप स्प्रेन ऑफ द फुट यानी पैर में मोच। यह एक आम समस्या है जो अक्सर हाई हील के कारण ही होती है। यह समस्या 20 से लेकर 35 वर्ष तक की युवतियों को ज्यादा होती है क्योंकि आजकल ज्यादातर युवतियां फैशन परस्त हैं और अपने आप को मॉडर्न दिखाने के लिए हाई हील पहनना उनका शौक बनता जा रहा है।

शुरुआत में तो इसका प्रभाव सिर्फ पैरों में सूजन के रूप में देखने को ही मिलता है, लेकिन साल दो साल बाद लगातार हील पहनने की वजह से पांव में लगातार दर्द, नसों में खिंचाव, पीठ दर्द और घुटनों में दर्द के रूप में दिक्कतें सामने आती हैं। शुरुआत में बार-बार पांव में मोच आती है और गंभीर रूप से दर्द होता रहता है। इलाज के रूप में जो भी पहनते हैं, उसमें मैट्रोसॉल बार लगानी पड़ती है।

कदम-कदम पर परेशानी

हाल के अनुसंधान से पता चलता है कि लंबे समय तक 'किलर हील्स' पहनने वाली एक-तिहाई महिलाओं की पैरों की अंगुलियों के फूलने (हैमरटोज) से लेकर टांग की नसों में गोखरू (बनियोन) जैसी दर्दनाक स्थायी बीमारियां होने लगती हैं। ऊंची एड़ी के जूतों से पूरे पैर में परेशानी शुरू हो जाती है। जब पैर का बड़ा अंगूठा ठीक से घूम नहीं सकता तो उसकी भरपाई करने के लिए घुटने को घुमाना पड़ता है। परिणामस्वरूप घुटने पर दबाव आने से स्थाई नुकसान हो सकता है। कुछ महिलाएं इस परेशानी से बचने के लिए अपनी चाल को बदल लेती हैं, लेकिन इससे कमर के निचले हिस्से में दर्द होने लगता है।

पांव की शेप का सत्यानाश

हील किसी भी रूप में पहनी जाए तो वह पैर के अगले हिस्से को चौड़ा कर देती है। हाई हील पहनना किसी भी स्त्री के लिए कितना खतरनाक हो सकता है, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि वो कितना चलती है और कितने समय तक खड़ी रहती है।

अस्पताल ले जाती हैं हाई हील

हाई हील पहनने की वजह से पैरों में सूजन भी रहने लगती है और सबसे ज्यादा असर तो रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है। हील पहनने से उस पर प्रेशर पड़ता है जिस कारण हड्डी के एक हिस्से में लगातार दर्द रहने लगता है। एक सर्वे के अनुसार देश की बीस लाख औरतें किसी न किसी रूप में हाई हील के कारण दुर्घटनावश अस्पताल पहुंचती हैं। चिकित्सकों के मुताबिक लंबे समय तक ऊंची एड़ी के जूते या सैंडिल पहनना खतरे से खाली नहीं है। लंबे समय तक ऊंची एड़ी के जूते पहनने से होने वाले नुकसान को लेकर विशेषज्ञों की चिंता बढ़ रही है।

दिक्कत है, दर्द है, मगर फैशन है

दस में से एक महिला सप्ताह में कम-से-कम तीन दिन ऊंची एड़ी के जूते पहनती हैं और हाल के सर्वे से पता चला है कि उनमें से एक-तिहाई महिलाएं ऊंची एड़ी के जूतों की वजह से गिर जाती हैं। ऊंची एड़ी के जूते पहनने से आपकी एड़ी ऊंची हो जाती है और ऐसे जूते पहनते ही आपके शरीर का झुकाव आगे की ओर हो जाता है।

कौन करेगा पैरोकारी

ऊंची एड़ी के जूतों की पैरवी में कुछ नही कहा जा सकता। औसत महिलाएं ऊंची एड़ी के जूते नहीं पहनती, यह उनके लिए बेशक अच्छी बात है। जब आपकी कमर का निचला हिस्सा आगे की ओर झुकता है तो इसका संतुलन बनाए रखने के लिए आपको मेरुदंड की स्थिति में बदलाव करना पड़ता है। इससे पीठ की नसों पर दबाव पड़ता है और इसकी वजह से स्थिति और बदतर हो जाती है। इसकी वजह से साइटिका नामक बीमारी हो सकती है जिसमें नसें खिंच जाती हैं और पैर के नीचे की ओर दर्द रहता है और वह सुन्न हो जाता है।

कभी-कभी पहनें हील

जो महिलाएं अधिकतर ऊंची एड़ी के जूते पहनती हैं, उन्हें नस खिंचने की बीमारी हो जाती है क्योंकि जैसे ही एड़ी ऊपर की ओर उठती है, वैसे ही नस खिंचने लगती है। इसे पुन: खींचकर फैलाना बहुत पीड़ाजनक हो सकता है। तीन या अधिक महिलाओं का एचिली टेंडन खिंच सकता है। यह स्थिति तब की है जब वे प्रतिदिन ऊंची एड़ी नही पहनतीं या सप्ताह में एक या दो बार पहनती हैं। कई महिलाओं को हैमरटोज भी हो जाता है क्योंकि टाइट फिटिंग वाले जूते पैर की अंगुलियों को मोड़ देते हैं, अंदर की मांसपेशियां छोटी होने से अंगुलियां हमेशा के लिए मुड़ जाती हैं। अन्य आम शिकायतों में गोखरू, गलत फिटिंग वाले जूतों से अंगूठे के नीचे की हड्डी का बढ़ना, तथाकथित पम्प-बम्प शामिल है जिसमें बम्प स्टाइल के जूतों के फीतों तथा कठोर बैक से एड़ी की हड्डी बढ़ती है।

समस्या होने पर क्या करें

- हाई हील के बजाए फुटवियर के रूप में प्लेन चप्पल पहनें, जिसमें एक समान बोझ पैर पर पड़े।
- अगर दर्द बढ़ने लगे तो डॉक्टर की सलाह लें।
- पैरों, घुटनों, रीढ़ की हड्डी में दर्द होने पर सिकाई करें। चाहे तो गर्म पानी में नमक डालकर सेंक सकते हैं।
- डॉक्टर का सलाह से एक्सरसाइज भी की जा सकती है।
- ज्यादा दर्द रहने पर सलाह से ही दर्द निवारक दवाएं लें।

ऊंची एड़ी के जूतों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए थोड़ी-सी मोटी एड़ी वाले जूते पहनें क्योंकि इससे भार अधिक समानता से फैलेगा। अंदर नरम इंसोल्स पहनने से घुटनों पर पड़ने वाले प्रभाव में कमी आती है। ध्यान रखें आपके जूते की फिटिंग सही हो ताकि वह आगे की ओर न फिसलें। ऐसा होने से उंगलियों पर अधिक दबाव पड़ता है।

नियमित रूप से ऊंची एड़ी के जूते पहनना स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा नहीं होता। औपचारिक अवसरों पर थोड़ी देर के लिए उनका उपयोग करना ठीक हो सकता है। यदि आप कुछ घंटे के लिए ऊंची एड़ी के जूते पहनें तो कोई नुकसान नहीं होगा।

कुछ चर्चित केस

- विक्टोरिया बैकहम को भला कौन नहीं जानता। ऊंची एड़ी के जूते पहनना उनका ट्रेडमार्क है, लेकिन ऊंची एड़ी के जूते के प्रति उनके इस प्रेम ने उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया था। छह इंच की स्टिलैटो पहनने की वजह उनके पैर में गोखरू हो गया और उनका चलना-फिरना मुश्किल हो गया। लेकिन उनका हाई हील प्रेम इतना जबर्दस्त है कि वे इसे छोड़ना नहीं चाहतीं, बेशक इसकी वजह से उनके पैरों में दर्द रहता है। उनकी पहचान ही यही है।
- रैम्प पर चलते हुए एक मॉडल लड़खड़ा कर गिर गई। हाई हिल की वजह से उसके पैर में सूजन और नस खिंचाव की समस्या हो गई है।
- कई लड़कियां ऑफिस जाने के लिए हाई हील को प्राथमिकता देती थीं। उन्हें क्या पता था कि हाई हील का यह शौक उन्हें रीढ़ की हड्डी की बीमारी दे देगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)